देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com | भोपाल और झांसी से एक साथ प्रकाशित | भोपाल, मंगलवार 11 मार्च 2025 | वर्ष-31 अंक-209 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए | पेज - 6

ब्रीफ न्यूज

भगोड़े ललित मोदी की वानुअतु की नागरिकता रद्द

पीएम जोथम ने पासपोर्ट कैंसिल करने का आदेश दिया

पोर्ट विला। इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व चेयरमेन और भगोड़े ललित मोदी की वानुअतु की नागरिकता रद्द होगी। वानुअतु के प्रधानमंत्री जोथम नापाट ने नागरिकता आयोग को ललित मोदी को जारी किए गए पासपोर्ट को रद्द करने का आदेश दिया है।

वानुअतु डेली पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक यह फैसला उन रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है, जिनमें ये दावा किया गया था कि ललिल मोदी भारत में प्रत्यर्पण से बचने की कोशिश कर रहा है। इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में कई रिपोर्ट छपी थीं।

प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान में कहा गया कि इंटरपोल ने दो बार ललित मोदी के खिलाफ अलर्ट जारी करने के मना कर दिया था। इसके चलते उसका पासपोर्ट आवेदन को रिजेक्ट नहीं किया गया था। कार्यालय के मुताबिक उसकी बैकग्राउंड जांच के दौरान उसे किसी अपराध में दोषी नहीं पाया गया था।

मस्क ने यूक्रेन में इंटरनेट बंद करने की धमकी दी, बोले

सिस्टम बंद किया तो पूरी डिफेंस लाइन ढह जाएगी

वॉशिंगटन। टेस्ला और स्टारलिंक के सीईओ इलॉन मस्क ने यूक्रेन को इंटरनेट बंद करने की धमकी दी है। मस्क ने कहा कि अगर उन्होंने यूक्रेन में अपना स्टारलिंक सिस्टम बंद कर दिया तो यूक्रेन की डिफेंस लाइन ढह जाएगी।

मस्क का स्टारलिंक इंटरनेट सिस्टम, यूक्रेन को मिलिट्री कम्युनिकेशन (सैन्य संचार) बनाए रखने में मददगार रहा है। मस्क ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि, स्टारलिंक सिस्टम यूक्रेनी सेना की रीढ़ है। मैं जंग और कत्लेआम से परेशान हूं, जिसे यूक्रेन आखिरकार इसे हार जाएगा। स्टारलिंक लो-अर्थ ऑर्बिट में सैटेलाइस्ट का एक वर्ल्डवाइड नेटवर्क ऑपरेट करता है और कई देशों में स्पेस बेस्ड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रोवाइड करता है। कंपनी के पास दुनिया भर में किसी भी स्थान पर स्मार्टफोन को सीधे सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस प्रोवाइड करने की कैपेबिलिटी है।

मार्क कार्नी कनाडा के अगले पीएम बनेंगे

टोरंटो। मार्क कार्नी कनाडा के अगले प्रधानमंत्री होंगे। वे जस्टिन ट्रूडो की जगह लेंगे। लिबरल पार्टी ने रविवार देर रात उन्हें अपना नेता चुना। कार्नी को 85.9 प्रतिशत वोट मिले। कार्नी ने पीएम पद की रेस में शामिल पूर्व वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड, पूर्व सरकारी सदन नेता करीना गोल्ड और पूर्व संसद सदस्य फ्रैंक बेलिस को पछाड़ा। वे बिना किसी विधायी या कैबिनेट अनुभव के पहले कनाडाई प्रधानमंत्री होंगे।

चुनाव जीतने के बाद उन्होंने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के ट्रम्प के बयान पर कहा कि अमेरिका कनाडा नहीं है। कनाडा कभी किसी भी तरीके से अमेरिका का हिस्सा नहीं बनेगा।

अलीगढ़ में पकड़े गए चार बांग्लादेशी

अलीगढ़। अलीगढ़ की टप्पल पुलिस ने जट्टारी चौकी अंतर्गत नई बस्ती से महिला समेत चार बांग्लादेशी नागरिकों को 17 साल से अवैध रूप से रहते हुए गिरफ्तार किया है। इन्होंने अपने बेटों के फर्जी आधार कार्ड भी बनवाए। इनके पास से फर्जी आधार कार्ड के साथ तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। टप्पल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जट्टारी स्थित नई बस्ती से चार बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से रहते हुए गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों से भारत आने के बारे में पूछा तो मकसूद खान पुत्र इब्राहिम ने बताया कि सभी बांग्लादेश में जिला जिसोर के गांव बांगडंगा बगरपाड़ा के रहने वाले हैं। वहां खेती का काम करते थे।

फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-119 को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। 8 घंटे 37 मिनट की उड़ान के बाद फ्लाइट को मुंबई डायवर्ट कर दिया गया। फ्लाइट में 19 क्रू मेंबर्स समेत 322 यात्री सवार थे। एअर इंडिया ने बताया कि फ्लाइट के वॉशरूम में एक नोट मिला।

राज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ बजट सत्र...

मंगुभाई पटेल ने प्रस्तुत किया मप्र के विकास का रोडमैप

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मप्र का बड़ा योगदान

भोपाल। 16वीं विधानसभा के इस बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल मंगुभाई पटेल के अभिभाषण के साथ हुई। अपने अभिभाषण में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सदन को संबोधित करते हुए राज्य सरकार और केंद्र सरकार की नीतियों, फैसलों और योजनाओं की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने केन-बेतवा परियोजना से लेकर राज्य सरकार की युवा शक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण मिशन की विशेषताएं बताई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समावेशी विकास की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की सराहना की और कहा कि मध्यप्रदेश विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्रिय योगदान दे रहा है।

राज्यपाल ने अभिभाषण के दौरान राज्य सरकार की उपलब्धियों, विकास योजनाओं और भविष्य की कार्ययोजनाओं का खाका प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती, बुनियादी ढांचे के विस्तार, जल संसाधनों के प्रबंधन, कृषि सुधारों और समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा ने श्रेष्ठ संसदीय परंपराओं को स्थापित किया है और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने बताया कि मप्र में मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना के तहत 1640 करोड़ की लागत से 748 प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है। इस योजना के तहत शहरों में 1263 किलोमीटर की उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों के निर्माण को मंजूरी मिली है।

नदी जोड़ परियोजनाएं: जल संकट से राहत का प्रयास

राज्यपाल पटेल ने प्रदेश में चल रही महत्वाकांक्षी नदी जोड़ परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं प्रदेश की तकदीर और तस्वीर बदलने का कार्य करेंगी। केन-बेतवा परियोजना बुंदेलखंड के 10 जिलों में सिंचाई और पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ करेगी। पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना से 11 जिलों को लाभ मिलेगा, जिससे राजस्थान को भी फायदा होगा। ताप्ती-बेसन मेगा रिचार्ज परियोजना मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में संयुक्त रूप से संचालित होगी, जिससे बड़वानी और खंडवा जिलों को सिंचाई का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि गंभीर और कान्हा नदी को जोड़ने की स्वीकृति मिल चुकी है और अन्य नदियों को जोड़ने के लिए तकनीकी परीक्षण शुरू किया जा रहा है।

चार प्रमुख मिशन: समाज के हर वर्ग का उत्थान

राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए चार प्रमुख मिशन शुरू किए हैं।

युवा शक्ति मिशन युवाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास पर केंद्रित है। गरीब कल्याण मिशन बहुआयामी गरीबी सूचकांक में सुधार लाने और वंचित वर्गों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने पर जोर है। नारी सशक्तिकरण मिशन महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता के लिए और किसान कल्याण मिशन कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए है।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की योजनाएं

राज्यपाल ने किसानों की भलाई के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों को रेखांकित करते हुए कहा कि अगले तीन वर्षों में 30 लाख सोलर पंप प्रदान किए जाएंगे, जिससे किसानों को बिजली बिल से राहत मिलेगी। सरकार किसानों द्वारा सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली खरीदेगी और उन्हें नगद भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा, किसानों को 5 रुपये प्रति यूनिट की दर से स्थायी बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। अपने अभिभाषण के अंत में राज्यपाल ने कहा कि सरकार सतत विकास को प्राथमिकता दे रही है और सभी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन प्रयासों से मध्यप्रदेश न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि देश के विकास में भी अहम योगदान देगा।

ग्यान का मंत्र

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्यान का मंत्र दिया है। इसके साथ ही उन्होंने इस ग्यान (गरीब, युवा शक्ति, किसान और नारी सशक्तीकरण) का अर्थ बताया है। मध्य प्रदेश सरकार ने बिना समय लगाए इन ग्यान को लेकर राज्य में काम शुरू कर दिया है। राज्य सरकार ने युवा शक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारंभ कर दिया है।

नारी सशक्तीकरण मिशन

उन्होंने कहा कि सरकार ने महिलाओं के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास के उद्देश्य से देवी अहल्या नारी सशक्तीकरण मिशन शुरू किया है। किसान कल्याण मिशन के अंतर्गत प्रदेश के किसानों को कृषि व्यवसाय की ओर ले जा रहे हैं, इससे उनकी आय बढ़ेगी।

विद्यार्थियों को मिले लैपटॉप

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में शिक्षा व्यवसाय को बेहतर बनाया है। सरकार ने प्रदेश के टॉपर छात्रों को लैपटॉप और स्कूटी दी है। प्रदेश के 8971 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए उनके खाते में पैसे दिए गए हैं।

प्रदेश में 89,000 आवास का निर्माण

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि इसके अलावा भारत सरकार से 89,000 आवास निर्माण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। पीएम जनमन योजना के तहत मध्य प्रदेश के 24 जिलों में जारी है। योजना के अंतर्गत अभी तक 1,83,000 परिवारों का सर्वे हुआ है, जिसमें से 1,68,000 आवास स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में वर्तमान वित्त वर्ष में 124 किलोमीटर की लंबाई की 66 सड़कों का निर्माण हो रहा है।

मप्र को मिला 9वां टाइगर रिजर्व

सीएम डॉ. मोहन ने बाघ-बाघिन को छोड़ा

भोपाल। टाइगर स्टेट मप्र को 9वां टाइगर रिजर्व सोमवार को मिल गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश को 9वें टाइगर रिजर्व की सौगात दी। इसका नाम माधव टाइगर रिजर्व है। माधव राव सिंधिया की 80वीं जयंती पर सीएम डॉ.मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने यहां पन्ना से लाई गई बाघिन को छोड़ा।

टाइगर रिजर्व पहुंचे सिंधिया ने खुद सेलिंग क्लब से सात किलोमीटर दूर वॉच टावर तक सफारी गाड़ी ड्राइवर की, जिसमें सीएम मोहन यादव भी बैठे रहे। इसी जगह से 3 साल की बाघिन को जंगल में छोड़ा गया। इस दौरान माधव टाइगर रिजर्व के लोगो का अनावरण और 13 किलोमीटर लंबी सुरक्षा दीवार का लोकार्पण किया गया। टाइगर रिजर्व शिवपुरी शहर के नजदीक है, लिहाजा ये दीवार नागरिकों के लिए सुरक्षा कवच की तरह होगी। माधव टाइगर रिजर्व का आरक्षित वन क्षेत्र 32429.52 हेक्टेयर, संरक्षित वन क्षेत्र 2422.00 हेक्टेयर और राजस्व क्षेत्र 2671.824 हेक्टेयर है। इस प्रकार कुल क्षेत्र 37523.344 हेक्टेयर यानी 375.233 वर्ग किलोमीटर है। नया माधव टाइगर रिजर्व शिवपुरी जिले में है। यहां आने के लिए सबसे नजदीकी एयरपोर्ट झांसी और ग्वालियर हैं। इन दोनों ही शहरों में हर एक्सप्रेस ट्रेन भी रुकती है। झांसी और ग्वालियर से शिवपुरी की दूरी करीब 2 घंटे है।

मोगली से है इस टाइगर रिजर्व का संबंध

मप्र के पेंच टाइगर रिजर्व का संबंध द जंगल बुक से है। इस किताब को रूडयार्ड किपलिंग ने लिखा था। उनकी किताब पर बने कार्टून ने पूरे विश्व में तहलका मचा दिया था। किपलिंग को पेंच के जंगलों में एक ऐसा बच्चा मिला था, जो खूंखार जानवरों के साथ रहता था। इसी बच्चे को कार्टून कैरेक्टर मोगली के नाम से जाना जाता है। सरकार ने साल 1977 में 449.392 वर्ग किमी का क्षेत्र पेंच सेंक्चुरी घोषित किया। इसमें से, 292.857 वर्ग किमी का क्षेत्रफल साल 1983 में पेंच नेशनल पार्क घोषित किया गया। 118.473 वर्ग किमी पेंच सेंक्चुरी के रूप में रहा। साल 1992 में भारत सरकार ने नेशनल पार्क और सेंक्चुरी सहित 757.85 वर्ग किमी क्षेत्र को देश के 19वें टाइगर रिजर्व के रूप में घोषित किया। पेंच नेशनल पार्क और पेंच सेंक्चुरी का नाम बदलकर साल 2002 में इंदिरा प्रियदर्शिनी पेंच नेशनल पार्क और पेंच मोगली सेंक्चुरी कर दिया गया।

भूपेश बघेल के घर से भारी मात्रा में कैश बरामद!

ईडी ने मंगाई नोट गिनने की मशीन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आवास पर भारी मात्रा में कैश पाए जाने के आरोपों के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा कदम उठाया है। इसकी गिनती के लिए ईडी अधिकारियों ने दो कैश गिनने वाली मशीनें लाई हैं। ईडी ने भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल से जुड़े एक परिसर से कुछ इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और दस्तावेज भी जब्त किए हैं। मामला शराब घोटाले से जुड़ा है।

सूत्रों के मुताबिक, चैतन्य बघेल को जल्द ही पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। संभावना है कि आज ही पूछताछ का पहला दौर शुरू हो सकता है। ईडी की छापेमारी और कार्रवाई चैतन्य बघेल के खिलाफ प्राप्त सबूतों के आधार पर की गई है, जिसमें उनका नाम 2100 करोड़ रुपये के शराब घोटाले के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक के रूप में शामिल है।

14 जगहों पर छापे पड़े

चैतन्य बघेल से जुड़े कई ठिकानों समेत 14 जगहों पर छापे पड़े हैं। 2100 करोड़ रुपए के शराब घोटाले में चैतन्य बघेल को भी लाभ पहुंचाने का दावा किया गया है। चैतन्य के करीबी और सहयोगी लक्ष्मीनारायण बंसल और पप्पू बंसल के ठिकानों पर भी कार्रवाई हई। इसके अलावा भिलाई के नेहरू नगर में मनोज राजपूत, चरोदा में अभिषेक ठाकुर और संदीप सिंह, कमल अग्रवाल किशोर राइस मिल दुर्ग, सुनील अग्रवाल सहेली ज्वेलर्स दुर्ग और बिल्डर अजय चौहान के यहां भी ईडी की कार्रवाई की है।

2019 से 2022 के बीच 2,161 करोड़ के घोटाले

कथित छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की जांच को तेज करने के लिए ईडी ने चैतन्य बघेल के ठिकानों सहित राज्य में अन्य 14 स्थानों पर आज छापेमारी की। यह कार्रवाई 2019 से 2022 के बीच राज्य में लगभग 2,161 करोड़ के घोटाले से जुड़ा है। जांच के दौरान मीडिया रिपोर्ट्स में ईडी सूत्रों के हवाले से बताया गया कि हमने कुछ सबूत प्राप्त किए हैं जिनके तार चैतन्य बघेल से जुड़े हुए हैं। मौजूदा साक्ष्यों के आधार पर हम ये छापेमारी कर रहे हैं।

2023 में ईडी ने दर्ज की थी शिकायत

प्रवर्तन निदेशालय ने जुलाई 2023 में इस शराब घोटाला केस में एक शिकायत दर्ज की थी, जिसमें रायपुर के मेयर एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर, पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अरुणपति त्रिपाठी जैसे प्रमुख लोगों का नाम शामिल थे। एजेंसी ने आरोप लगाया कि इन लोगों ने घोटाले को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई, जिसमें खरीद प्रक्रियाओं में हेरफेर करना और चुनिंदा शराब निर्माताओं से कमीशन लेना शामिल था। ईडी की जांच से पता चला कि कथित भ्रष्टाचार के कारण राज्य के खजाने को 2,161 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। जांच के दौरान अलग-अलग समय पर एजेंसी ने व्यवसायियों और पूर्व नौकरशाहों सहित विभिन्न आरोपियों से जुड़ी लगभग 205.49 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क भी की हैं। इन संपत्तियों में चल और अचल दोनों तरह की संपत्तियां शामिल हैं।

बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर इजरायल ने रोक दी बिजली सप्लाई

अंधेरे में डूबा गाजा

तेलअवीव। इजरायल और हमास के बीच दूसरे चरण के सीजफायर की संभावना बनी हुई है। लेकिन इससे पहले इजरायल ने संकटग्रस्त गाजा में बिजली की सप्लाई रोक दी है, जिससे पानी की आपूर्ति भी बाधित हुई है। हमास ने इसे इजरायल की स्टार्वेशन पॉलिसी बताया है। इजरायल का कहना है कि वो गाजा की बिजली सप्लाई को तुरंत प्रभाव से बंद कर रहा है। इजरायल और हमास के बीच पहले चरण के सीजफायर की अवधि पिछले हफ्ते खत्म हो गई थी। ऐसे में इजरायल चाहता है कि हमास इजरायल के बाकी बचे बंधकों को भी रिहा करे। इजरायल का कहना है कि अभी भी हमास के कब्जे में 59 बंधक है। एसे में वह इन बंधकों की रिहाई चाहता है, जिस वजह से हमास पर दबाव बनाने के लिए उसने यह कदम उठाया है। इजरायल के ऊर्जा मंत्री एली कोहेन ने बताया कि उन्होंने इजराइल इलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन को इलाके की सप्लाई रोकने का आदेश दिया है। कोहेन ने कहा कि मैंने गाजापट्टी के लिए बिजली की सप्लाई तुरंत बंद करने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। हम अपने पास मौजूद हर रास्ते का इस्तेमाल करेंगे ताकि बंधकों की रिहाई हो और गाजा से हमास का खात्मा सुनिश्चित किया जा सके।

टीआई कुजूर सुसाइड मामले में दो गिरफ्तारी

आशी राजा और उसके सहयोगी सोनू परमार से पुलिस की पूछताछ जारी

छतरपुर। छतरपुर सिटी कोतवाली के पूर्व थाना प्रभारी अरविंद कुजूर की आत्महत्या मामले में पुलिस ने उनकी प्रेमिका आशी राजा और उसके सहयोगी सोनू परमार को गिरफ्तार किया है।

गौरतलब है कि 6 मार्च की शाम को टीआई कुजूर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। घटना से पहले उन्होंने एक गोली दीवार पर चलाई और दूसरी गोली से खुद को मार लिया। उनके केयरटेकर प्रदीप अहिरवार ने बताया कि घटना के समय वे बेहद गुस्से में थे और फोन पर किसी से बात कर रहे थे। जांच में सामने आया है कि 48 वर्षीय कुजूर 25 वर्षीय आशी राजा से शादी करना चाहते थे और उन्होंने आशी को पुलिस लाइन के पास एक किराए का मकान भी दिलवाया था।

अब तक 15 लोगों से हुई पूछताछ

सीएसपी अमन मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच ओरछा रोड थाने में चल रही है। पुलिस अब तक 10-15 लोगों से पूछताछ कर चुकी है और जल्द ही मामले का पूरा खुलासा किया जाएगा।

फरवरी में घरेलू वेज थाली हुई सस्ती

नॉन-वेज थाली सालाना आधार पर 6 प्रतिशत महंगी

नई दिल्ली। भारत में एक घरेलू वेजिटेरियन थाली की कीमत फरवरी में (सालाना आधार पर) 1 प्रतिशत घटकर 27.2 रुपए हो गई। पिछले साल फरवरी 2024 में वेज थाली की कीमत 27.5 रुपए थी। कैपिटल मार्केट कंपनी क्रिसिल ने जारी किए अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी।

क्रिसिल ने अपनी राइस रोटी रेट रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत जनवरी की तुलना में फरवरी में 5 प्रतिशत घटी है। जनवरी में वेज थाली की कीमत 28.7 रुपए थी।

नॉन-वेज थाली 6 प्रतिशत महंगी

वहीं नॉन-वेज थाली की कीमत फरवरी में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत बढ़कर 57.4 रुपए हो गई। पिछले साल फरवरी 2024 में नॉन वेज थाली की कीमत 54 रुपए थी। मंथली बेसिस पर यानी जनवरी की तुलना में फरवरी में नॉन-वेज थाली की कीमत 5 प्रतिशत घटी है। जनवरी में नॉन-वेज थाली की कीमत 60.6 पए ही थी।

टमाटर-एलपीजी की कीमत घटने से वेज थाली के दाम घटे

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, टमाटर और एलपीजी के दाम घटने के चलते वेज थाली की कॉस्ट में कमी हुई है। सालाना आधार पर टमाटर की कीमतों में 28 प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं एलपीजी सिलेंडर 11 प्रतिशत सस्ता हुआ है। वहीं सालाना आधार पर प्याज के दाम 11 प्रतिशत, आलू का भाव 16 प्रतिशत और वेजिटेबल ऑयल की कीमत 18 प्रतिशत बढ़ी है। वेज थाली की कॉस्ट में आलू और टमाटर की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी होती है। वहीं नॉन वेज थाली की कीमत में ये तेजी ब्रॉयलर्स यानी चिकन के प्राइस में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी के चलते आई है। नॉन-वेज थाली की लागत में ब्रॉयलर की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी होती है।

रुपया रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर

डॉलर के मुकाबले 38 पैसे गिरकर 87.33 पर आया, विदेशी वस्तुएं महंगी होंगी

नई दिल्ली। रुपया सोमवार को अपने रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर आ गया है। इसमें अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 38 पैसे की गिरावट है और यह 87.33 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर आ गया है। ये मार्च महीने में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 86.95 पर बंद हुआ था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रुपए में इस गिरावट की वजह हाल ही में भारतीय शेयर मार्केट में विदेशी निवेशकों के जरिए की जा रही बिकवाली है। इसके अलावा जिओ पॉलिटिकल टेंशन्स कारण भी रुपए पर नेगेटिव असर पड़ा है।

रुपए में गिरावट का मतलब है कि भारत के लिए चीजों का इंपोर्ट महंगा होना है। इसके अलावा विदेश में घूमना और पढ़ना भी महंगा हो गया है। मान लीजिए कि जब डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू 50 थी तब अमेरिका में भारतीय छात्रों को 50 रुपए में 1 डॉलर मिल जाते थे। अब 1 डॉलर के लिए छात्रों को 86.31 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। इससे फीस से लेकर रहना और खाना और अन्य चीजें महंगी हो जाएंगी।

» न्यूज कैप्सूल »

समाजसेवी सीताराम अग्रवाल को श्रृद्धांजलि दी

इन्दौर। दिव्य शक्ति पीठ में प्रतिष्ठित समाजसेवी सीताराम अग्रवाल की श्रद्धांजलि सभा हुई, जहां समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े गणमान्य नागरिकों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर समाजहित में किए उनके योगदान को याद कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा में जस्टिस आरएस गर्ग, जस्टिस अभय गोहिल, डिस्ट्रिक्ट जज यशवंत परमार, राजकुमार वर्मा, आरएल यादव, संजय जैन, सुदर्शन गुप्ता (पूर्व विधायक), प्रमोद टंडन, शेख अलीम, केके यादव और पार्षद पूजा पाटीदार सहित कई गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज का फागोत्सव 16 को

इन्दौर। एरोड्रम रोड स्थित हंसदास मठ पर श्री कान्यकुब्ज विद्या प्रचारिणी सभा द्वारा समाज बंधुओं का फागोत्सव-2025 16 मार्च को आयोजित किया गया है। इसमें समाजजन फूलों से होली खेलेंगे। आयोजन की तैयारियों को लेकर सभा के पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई। सभा अध्यक्ष संजय शुक्ला और प्रधानमंत्री अनूप बाजपेयी ने बताया कि आयोजन में लगभग तीन हजार समाज बंधु सम्मिलित होगें। आयोजन में गन्नू महाराज की भजन संध्या होगी और फूलों की पंखुड़ियों की बारिश की जाएगी । आयोजन के प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया कि आयोजन की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई, जिसमें कई समितियों का गठन किया गया। बैठक में अजय दीक्षित, दीपक शुक्ला, पुष्पेंद्र शुक्ला, प्रकाश वाजपेयी, अजय दीक्षित, ब्रजेश शुक्ला, धीरज शुक्ला, प्रकाश मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे।

होली के पूर्व डीए एरियर्स भुगतान की मांग

जबलपुर। अजाक्स संघ, नगर निगम अधिकारी कर्मचारी संघ, चालक संघ नगर निगम जबलपुर एवं शासकीय अर्धशासकीय वाहन चालक वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा होली के पूर्व दिए एरियर्स राशि का भुगतान किए जाने की मांग को लेकर निगमायुक्त श्रीमति प्रीति यादव को ज्ञापन गया7 ज्ञापन सौंपते समय अमित मेहरा, अचैया कोरी, राजेन्द्र पटेल, मन्नूलाल पटेल, गुलशन जबलपुरी, रामाराव मगरदे, कालूराम सोलंकी, समीम भईजान, जगदीश नन्हेट, सामियल, दयाराम धुर्वे, श्रीनिवासलू, कोयरी नायडू, रामू, जे. प्रवीण, महेन्द्र मलिक आदि उपस्थित रहे।

सहायक शिक्षकों को 5 हजार 400 रू का ग्रेड पे दिया जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि प्रदेश के सहायक शिक्षकों को 30 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के पश्चात 4 हजार 200 रूप्ये का ग्रेड पे दिया जा रहा है जबकि उन्हे 5 हजार 400 रू का ग्रेड पे दिया जाना चाहिए वहीं जो उच्चश्रेणी शिक्षक से भर्ती हुए हैं।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष-रॉबर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, हेमन्त ठाकरें, दिनेष गौं?, राकेश श्रीवास, गुडविन चार्ल्स, राजेश सिंह ठाकुर, फिलिप अन्थोनी, गोपीषाह, एनोस विक्टर, मनमोहन चौधरी, रऊफ खान, सुरेन्द्र चौधरी, उमेष सिंह ठाकुर, क्रिस्टोफर नरोन्हा, संतोष चौरसिया, आदि ने मुख्य मंत्री से मांग की है कि प्रदेश के सहायक शिक्षकों को 30 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर 5 हजार 400 रू का ग्रेड पे दिया जाए।

इतिहास की सच्चाई छिपाई गई -मरकाम

जबलपुर। गोविंदराम सेकसरिया अर्थ वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय में सोमवार को जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया7 इस अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया,इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अर्जुन सिंह मरकाम, प्रांत सचिव वनवासी कल्याण आश्रम महाकौशल प्रांत, मुख्य अतिथि अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, डॉ संतोष जाटव जी तथा विशिष्ट अतिथि डॉ विशाल बन्ने, संचालक खेल विभाग रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर रहे। सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलित कर मां सरस्वती कि प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात पुष्प गुच्छ भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके बाद जनजातीय गौरव पर आरआरआर फिल्म की एक गीत कि वीडियो की प्रस्तुति दी गई।

ब्रज की होली के रसियों में डूबा गुना अंचल

पुष्टिमार्गीय केंद्रों पर फाग महोत्सव में उमड़ रहा जनसैलाब

उल्लास, उमंग एवं जीवन में रंग भरने का महोत्सव है फागोत्सव - कैलाश मंथन

द्वापरयुगीन है होली के रसियों के गायन की परंपरा- कैलाश मंथन

40 दिवसीय फाग महोत्सव का 14 मार्च दोलोत्सव को होगा समापन

गुना। 40 दिवसीय फाग महोत्सव के तहत मध्यभारत मालवा, बुंदेलखंड अंचल के पुष्टि भक्ति केंद्रों पर बसंत पंचमी से चल रहे 40 दिवसीय होली-फाग महोत्सव का समापन दोलोत्सव धुलेंडी के साथ संपन्न होगा।अंतर्राष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद के प्रांतीय प्रचार प्रमुख कैलाश मंथन ने बताया कि पुष्टिभक्ति मार्ग में डेढ़ माह तक फाग महोत्सव के तहत श्री ठाकुरजी के साथ रंग गुलाल से होली खेली जाती है। बसंत फाग पर्व उल्लास, उमंग एवं जीवन में रंग भरने का महोत्सव है। फाग महोत्सव के तहत सत्संग मंडलों एवं श्रीनाथ जी के मंदिरों में श्रद्धा भक्ति के साथ नित्य नए रंगों से श्रीनाथ जी को दुलार किया जा रहा है। जिले के ग्रामीण अंचलों में धुलेंडी तक भक्तगण कृष्ण भक्ति के रंग में डूबे रहते हैं। बसंतोत्सव 2025 का समापन 14 मार्च दोलोत्सव को होगा। इस दौरान 13 मार्च को होली दहन, 14 मार्च को धुलेंडी महोत्सव पर विशेष कार्यक्रम संपन्न होंगे।

अंतर्राष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी एवं जिला अध्यक्ष, हिउस प्रमुख कैलाश मंथन ने बताया कि द्वापर युग से चली आ रही परंपरा के अनुसार श्रीमद् वल्लभाचार्य के समय से पुष्टिमार्गीय आचार्यों ने होली महोत्सव पर 40 दिवसीय बसंत पंचमी से धुलेंडी तक विशेष मनोरथ फाग आंनदोत्सव की परंपरा प्रारंभ की। ब्रज प्रदेश की इस परंपरा में भगवान श्रीकृष्ण के भक्त होली के रसियों एवं भक्त कवियों के पदों का गायन कर अबीर, गुलाल, पुष्पों से श्री ठाकुर जी के साथ होली उत्सव का आनंद लेते हैं। श्री मंथन ने बताया अंचल के एक सैकड़ा से अधिक ग्रामों में फाग महोत्सव पर वल्लभ कुल गोस्वामी आचार्यों के सानिध्य में श्री ठाकुर जी से लाड़ लड़ाया जाता है। गुना, बमोरी, लालोनी, परवाह, ऊमरी, छबड़ा, भौंरा क्षेत्र के ग्रामों में पुष्टिमार्गीय आचार्यों के सानिध्य में हजारों वैष्णवों ने फाग महोत्सव के तहत हुए रंगारंग आयोजनों में हिस्सेदारी की। वैष्णव परिषद के जिला अध्यक्ष कैलाश मंथन ने बताया गुना बमोरी अंचल के एक सैकड़ा से अधिक ग्रामों के सत्संग मंडलों में फाग महोत्सव के दौरान पुष्टिमार्गीय गोस्वामी द्वारकेश लाल बड़ोदरा, महाराज विजय कुमार , गोवर्धनेश दर्शन बाबा अहमदाबाद कड़ी गुजरात, गोस्वामी विनय कुमार एवं शरद बाबा कोटा राजस्थान, पुरुषोत्तम लाल जी एवं मधुरम बाबा अहमदाबाद, गोस्वामी मिलन कुमार मुम्बई महाराष्ट्र की उपस्थिति में फाग महोत्सव के दौरान हजारों वैष्णवों ने ठाकुर जी के साथ भक्ति के रंग में रंग कर होली खेली। अंचल में गुना के श्री गोवर्धननाथ मंदिर भौंरा ,बमोरी, छबड़ा लालोनी ,रतनपुरा, ऊमरी क्षेत्र परवाह ,वने ,झागर सहित एक सैकड़ा से अधिक ग्रामीण सत्संग मंडलों में फाग महोत्सव के दौरान होली के रसिया से भक्ति के रंग गुलाल अबीर की बौछार होती रही।

पत्रकार शुक्ला के पक्ष में ज्ञापन सौंपा

सागर। सागर में जिला खनिज अधिकारी एवं पत्रकार मुकुल शुक्ला के बीच हुए विवाद में प्रशासन द्वारा एक तरफा कार्यवाही होने से नाराज़ होकर आज बंडा सरपंच संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह हिंडोरिया के नेतृत्व में एवं उनके आह्वान पर क्षेत्र की सर्वसमाज के अध्यक्षों ने सामूहिक रूप से सागर पहुंचकर सागर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में कहा गया है कि अगर पत्रकारों के साथ ही ऐसी निंदनीय हरकतें अधिकारी करने लगेंगे तो निश्चित रूप से यह घोर निंदनीय अपराध है हम सभी समाजों से आये प्रतिनिधि मांग करते हैं कि पत्रकार को न्याय दिया जाए एवं अधिकारी पर एफआईआर दर्ज कराई जाए साथ ही बंडा क्षेत्र में हो रहे अवैध उत्खनन की जांच के साथ ही जिला अधिकारी के पूरे कार्यकाल की निष्पक्ष जांच करायी जाकर आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाये ज्ञापन में कहा गया है कि अतिशीघ्र न्याय नहीं मिला तो सभी समाजे मिलकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज से. जिला से उपस्थित लोग सुरेंद्र सुहाने पप्पू तिवारी सुधीर यादव सिद्धार्थ बामोरा अशोक कुशवाहा अभिषेक गौर लोकेश तिवारी गडर माखनलाल सोनी चैतन्य पांडे श्याम करवरिया अवधेश शर्मा रामगोपाल गोस्वामी आदेश शुक्ला विनोद तिवारी सेसई संतोष मिश्रा राजपूत समाज से धर्मेंद्र सिंह परासिया भूपेंद्र सिंह सिगदौनी देवप्रशांत सिंह यादव समाज से कपिल यादव संतोष यादव प्रवेंद्र यादव लोधी समाज से जनपद अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह लंबरदार समाज के अध्यक्ष कल्याण सिंह मगरधा रजक समाज से सतीश राजक सेन समाज से सोनू सेन पटेल कुशवाहा समाज से एडवोकेट कुंज बिहारी पटेल साहू समाज से कैलाश साहू नारायण साहू मुस्लिम समुदाय से अनीश कुरेशी अनवर खान अहिरवार समाज से गोपाल अहिरवार सहित सभी समाजों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

दारु के महंगे ठेकों में रुचि नहीं दिखा रहे ठेकेदार

अब 4 के बाद शराब ठेकों के बने 29 समूहों की ऑनलाईन टेंडर प्रक्रिया शुरु

जबलपुर। जबलपुर में शराब ठेको के लिए ठेकेदार रुचि नहीं दिखा रहे। नवीनीकरण की तारीख निकल जाने के बाद लाटरी में भी किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। अब सोमवार से गुरुवार तक आबकारी विभाग ने ऑनलाईन लाइव टेंडर बुलाए है। यहां गौरतलब है कि 9 मार्च तक नवीनीकरण और लाटरी की प्रक्रिया का दौर पूरा हो जाने के बाद इसमें किसी भी ठेकेदार ने रुचि नहीं दिखाई, लिहाजा अगली प्रक्रिया को अपनाया गया। 8 मार्च तक ऑनलाईन टेंडर बुलाए गए, लेकिन कोई टेंडर नहीं आया। अब टेंडर के दूसरा राउंड 10 मार्च से शुरु हुआ। आवेदन बटने शुरु हो गए, जो 13 मार्च को पूर्वान्ह 11 बजे तक लिए जायेंगे और दोपहर 2 बजे से टेंडर खुलने शुरु हो जायेंगे। इसके बाद टेंडर का तीसरा राउंड 18 मार्च से शुरु होगा, और चौथा राउंड 22 मार्च से शुरु होगा। इसके बाद भी अगर टेंडर नहीं आए तो विभागों को 1 अप्रैल से खुद दुकानें चलानी पड़ेगी। दरअसल नई आबकारी नीति के तहत शराब दुकानों में 20 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि किए जाने और ठेकेदारों का कमीशन घटाए जाने और छोटे ठेकेदार टेंडर लेने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। पहले आबकारी विभाग ने जिले की दुकानों के चार समूह बनाए थे अब उन्हें 29 समूहों में बाट दिया। गौरतलब है कि बीत रहे वित्तीय वर्ष में 45 समूहों में ठेके नीलाम हुए थे। अब इसमें कितने शराब कारोबारी कितनी दिलचस्पी दिखायेंगे। इस पर सबकी निगाहें टिकी हुई है। अभी तक कोई भी ठेकेदार सामने नहीं आया। सूत्रों के मुताबिक जो सरकारी रेट पर बिड तय हुई है उससे ब्लो में आनलाईन टेंडर होटल एक्सेप्ट हीं नहीं करेगा, लिहाजा इस बात की उम्मीद कम ही है कि सभी समूह ठेके पर उठ जायेंगे। संभंव है कि आठ से दस समूह ऑनलाईन टेंडर में नीलाम हो जाए लेकिन उसके बाद बाकी के समूह फिर भी नहीं उठ पायेंगे, ऐसा कहा जा रहा है। जबलपुर के शराब ठेके प्रदेश स्तर पर सुर्खियों में हैं। कोई इसे नई आबकारी नीति का दुष्परिणाम बता रहा है तो कोई इसे जबलपुर के आबकारी अमले की विफलता निरुपित कर रहा है। विभागीय अधिकारी भी चुप्पी साधे है। बस सोशल मीडिया पर एक ही बात तैर रही है कि ठेके काफी महंगे होने के कारण टेंडर नहीं आ रहे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए फाइनेंस मैनेजमेंट की जानकारी दे मनाया महिला दिवस

इन्दौर। महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आईबीडब्ल्यूई की संस्थापक पायल जैसवाल के मुख्य आतिथ्य में ट्रेजर टाउन क्लब हाउस में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उद्गम ऑफ टूथ एवं तेजस्विनी संदर्श ई-मैग्जीन के सौजन्य से उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन डा. ज्योति ठाकुर ने किया, जिसमें महिलाओं को फाइनेंस मैनेजमेंट और घर बैठे आय अर्जित करने के तरीकों की जानकारी दी गई। इस विषय पर एक विशेष सेमिनार डायरेक्टर, द बुल कैपिटल साकेत शर्मा द्वारा भी लिया गया। ज्ञात हो कि अब तक संस्था के माध्यम से 80 से 100 महिलाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण देकर रोजगार दिलाया जा चुका है। कार्यक्रम को सफल बनाने में खुशबू शर्मा, लक्ष्मी वर्मा, वर्षा चावला, भूमिका शर्मा, तेजस्वी मिश्रा ने भूमिका निभाई। आयोजन में श्वेता जैन, पूजा, शिवानी पाल, पूजा पाटीदार सहित 50 महिलाओं ने भाग लिया और मासिक बजट व वित्तीय प्रबंधन (मनी मैनेजमेंट) से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

जिला शहर कांग्रेस ने दिया पत्रकारों को समर्थन

सागर। लोकतंत्र में प्रेस और पत्रकारों को स्वतंत्रता प्रदान की गई है। यह देश के चौथे स्तंभ कहे जाते हैं लेकिन भाजपा शासन काल के अधिकारी इतनी निरंकुश हो गए हैं कि पत्रकारों पर ही अभद्रता गाली गलौज एवं हमला करने लगे हैं। और फिर अपने पावर का दुरपयोग कर उन्ही पर मामला दर्ज कराते हैं। पत्रकारों का प्रश्न पूछना संविधान के दायरे में आता है। देश के संविधान में सूचना का अधिकार इसलिए दिया गया है। पत्रकार मुकुल शुक्ला पर खनिज अधिकारी द्वारा की गई अभद्रता, गाली गलौज एवं पत्रकार पर झूठा मामला दर्ज किए जाने का जिला शहर कांग्रेस कमेटी विरोध करती है एवं मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग करती है। यह बात कहते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता आशीष ज्योतिषी ने कहा कि प्रेस और पत्रकारिता की समाज के प्रति जिम्मेदारी होती हैं, जिसे वह सहजता से निभाता है। इसके लिए वे लगातार कार्य कर खबर लोगो तक पहुंचाते हैं।

आम आदमी पार्टी ने की खनिज अधिकारी को निलंबित करने की मांग

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सागर। विगत दिनों खनिज अधिकारी द्वारा पत्रकार से की गई अभद्रता के विरोध में आम आदमी पार्टी ने प्रदेश संयुक्त सचिव अभिषेक अहिरवार के नेत्रत्व में और प्रदेश सचिव डॉ धारणेन्द जैन की उपस्थिति में मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर खनिज अधिकारी को निलंबित कर [illegible] की धाराओ मे प्रकरण बनाकर कार्यवाही करने की मांग की। प्रदेश संयुक्त सचिव अभिषेक अहिरवार ने कहा कि खनिज अधिकारी द्वारा पत्रकार से की गई अभद्रता लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमले के साथ अपराध भी है जिसे बर्दास्त नहीं किया जा सकता। ऐसी घटनाएं तानाशाही को बढ़ावा देती हैं इसलिए लोकतंत्र की रक्षा हेतु पत्रकार के साथ अभद्रता करने वाले खनिज अधिकारी को तत्काल निलंबित कर [illegible] की धाराओ के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाए। डॉ धारणेन्द जैन ने कहा कि इस प्रकार की निंदनीय है इसकी पुनरावृति नहीं होनी चाहिए। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीकांत राज, सुरेश गुप्ता, बदन सिंह अहिरवार, कालूराम अहिरवार, वीरेंद्र कबीरपंथी, अमर चौधरी, के के प्रजापति, संतोष अहिरवार, बबलू चौधरी, लल्लू ठेकेदार सहित सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परंपरागत शिक्षा के साथ रोजगारोन्मुख शिक्षा की आवश्यकता: प्रो. पाराशर

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्थापना काल 1946 में आरम्भ हुये विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के पुरा विद्यार्थियों के प्रथम समागम (एल्यूमिनी मीट) संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि सत्तर के दशक में विभाग के विद्यार्थी, नागपुर विश्वविद्यालय एवं मैरीटाइम यूनिवर्सिटी चेन्नई के पूर्व प्रो-वाइसचांसलर रहे प्रोफेसर जी. एस. पाराशर थे। उन्होंने आज परंपरागत शिक्षा के साथ व्यवहारिक ज्ञान की आवश्यकता पर बल दिया। आपने कहा कि जीव विज्ञान विभाग, सैरी कल्चर, फिशरीज जैसे विषय आरम्भ कर विभाग को गांव-किसान से जोड़े। अपने गुरु, जाने माने कीट विज्ञानी दिवंगत प्रो. आर.एस. सैनी का स्मरण करते हुए आपने उनकी स्मृति को जीवंत बनाये रखने हेतु व्याख्यान माला आरम्भ करने का प्रस्ताव दिया। उन्नीस सौ साठ के दशक में विद्यार्थी रहे पूर्व विभाग अध्यक्ष, प्रो. डी पी गुप्ता ने अपने अनुभव साझा करते हुए एल्युमिनी मीट की सराहना की। कुलपति प्रतिनिधि प्रो वाय एस ठाकुर ने आगंतुकों से विश्वविद्यालय एल्युमिनी एसोसिएशन के सदस्यता ग्रहण करने हेतु आव्हान किया। एल्युमिनी मीट की संयोजक प्रो.वर्षा शर्मा ने विभागीय इतिहास पर प्रकाश डाला साथ ही अतिथि परिचय देते हुए बताया कि सागर में अध्ययन काल के बाद डॉक्टर पाराशर नागपुर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर नियुक्त हुए। राष्टीय-अंतरराष्टीय स्तर के जर्नल्स में उनके अनेक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। 65 विद्यार्थी उनके सफल निर्देशन में पी-एच डी उपाधि हासिल कर चुके हैं। विभागाध्यक्ष प्रो श्वेता यादव ने विभागीय गतिविधियों का ब्यौरा दिया। आयोजन सचिव डॉक्टर पायल महोबिया ने स्वागत भाषण दिया और नवागत नव-नियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसर को सभा से परिचित कराया। कार्यक्रम में साठ के दशक में विद्यार्थी प्रो. स्मिता बैनर्जी, सत्तर के दशक के विद्यार्थी रहे प्रो. यू.एस. गुप्ता,अस्सी के दशक के विद्यार्थी रही विश्वविद्यालय की पूर्व प्रभारी कुलपति प्रो. जे. डी. आही, इसी दशक में विभाग के छात्र रहे प्रो. सुबोध जैन ने उदगार व्यक्त किए और संस्मरण साझा किए। समारोह का संचालन मनीषा नाहर ने किया और शिखा दुबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में विभागीय विद्यार्थियों द्वारा भारत की सांस्कृतिक विरासत को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। छात्रा आमया ने दक्षिण भारत का नृत्य, खुशी मीणा ने राजस्थानी, रघुवीर ने मिमिक्री और अदिति सराफ़ ने वालीवुड की सुन्दर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में उन्नीस सौ नब्बे से दो हज़ार चौबीस तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की इनमें पुष्पलता, राममनोहर, मुकेश, रविन्द्रपाल, नमिता जैन, रोशनी, आमिर ख़ान आदि शामिल थे। सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न, पौधा और वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस प्रथम एल्यूमिनी मीट में विभाग के दिवंगत प्रोफेसर एच एन भार्गव, आरएस सैनी, आर के श्रीवास्तव, वी एस बैस, एच के सक्सेना, डी डी सोनी, बी के श्रीवास्तव, वाय एन सहाय, मेडम एस सहाय को श्रद्धांजलि दी गई। राष्ट गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

चैम्पियन ट्रॉफी फाइनल मैच के दौरान पकड़ाए आनलाइन सटोरिए, 9 लैपटॉप 29 मोबाइल जब्त , 4 दर्जन बैंक खातों की मिली जानकारी

इन्दौर। मुखबिर सूचना के बाद चैम्पियन ट्रॉफी के भारत न्यूजीलैंड फाइनल मैच के दौरान क्राइम ब्रांच की टीम ने छापामार कार्रवाई करते आधा दर्जन से ज्यादा सटोरियों को गिरफ्तार कर उनके पास से लैपटॉप-मोबाइल ज़ब्त किए हैं। ये सटोरिए आईसीसी ट्रॉफी के फाइनल मैच में सट्टे की बुकिंग कर रहे थे। क्राइम ब्रांच एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया की टीम को सूचना मिली थी कि स्कीम नंबर 78 स्थित मंगलम अपार्टमेंट के एक फ्लैट में कुछ लोग आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी पर सट्टा खिला रहे हैं। इस पर टीम ने वहां दबिश दी और छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में रवि चौधरी निवासी बड़नगर, नीलेश पाटीदार निवासी रतलाम, मोहित नागर, सचिन यादव निवासी बड़नगर, विशाल यादव निवासी रतलाम और साहिल खान निवासी एमआर 10, इंदौर शामिल हैं। ये लोग ऑनलाइन सट्टे का खेल वीन जॉय डॉट कॉम और रिबेल 24 डॉट कॉम के जरिए खिला रहे थे । पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वे ग्राहकों को इन वेबसाइटों की आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराते थे, जिसके लिए पहले एडवांस रकम जमा कराई जाती थी। क्राइम ब्रांच के अनुसार आरोपियों के पास से 29 मोबाइल, 9 लैपटॉप, 4 दर्जन बैंक खातों की जानकारी और कई एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपियों ने कई सिम कार्ड फर्जी नाम-पते पर लिए थे, जिनका उपयोग सट्टे की राशि निकालने के लिए किया जा रहा था। सभी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई कर उनसे पूछताछ की जा रही है।

होली खेलने के लिए सलवार सूट, कुर्ता पैजामा, टीशर्ट की डिमांड

जबलपुर। कन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्टीय महामंत्री एवं दिल्ली चाँदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, दिल्ली में 13 मार्च को होली जलाई जाएगी जबकि रंगों का पर्व 14 मार्च को मनाया जाएगा। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी होली की त्यौहारी बिक्री में चीन का बने हुए सामान का व्यापारियों एवं ग्राहकों ने बहिष्कार किया और केवल भारत में ही निर्मित हर्बल रंग एवं गुलाल, पिचकारी, गुब्बारे, चंदन , पूजा सामग्री, परिधान सहित अन्य सामानों की जमकर बिक्री हो रही है वहीं मिठाइयां, ड्राई फ्रूट, गिफ्ट आइटम्स, फूल एवं फल, कपड़े, फ़र्निशिंग फैब्रिक, किराना, एफएमसीजी प्रोडक्ट, कंज्यूमर ड्युरेबल्स सहित अन्य अनेक उत्पादों की भी ज़बरदस्त माँग बाज़ारों में दिखाई दे रही है।

उपभोक्ता खर्च में वृद्धि के चलते विभिन्न व्यापार के क्षेत्रों में होली की त्यौहारों की बिक्री तेजी से हो रही है। रंग-अबीर खेलने के लिए लोग सफेद टी-शर्ट और कुर्ता-पाजामा, सलवार सूट की मांग कर रहे हैं। वहीं, हैप्पी होली लिखे टी-शर्ट की मांग भी बाज़ार में लगातार बनी हुई है।

» न्यूज कैप्सूल »

रेडक्रास ने आशा कार्यकर्ताओं को वितरित किये प्लस ऑक्सीमीटर

भोपाल। भारतीय रेडक्रास सोसायटी म.प्र. राज्य शाखा ने सेवा कार्यों के क्रम में आज सेवा भारती के द्वारा संचालित गांधी नगर विकलांग बालक आश्रम में आशा कार्यकर्ताओं को प्लस ऑक्सीमीटर वितरित किये हैं, यह बात रेडक्रास के चेयरमैन डॉ. गगन कोल्हे ने कही। रेडक्रास राज्य शाखा के चेयरमैन डॉ. गगन कोल्हे ने कहा कि आशा कार्यकर्ता जो भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित जननी सुरक्षा योजना से संबद्ध एक ग्रामीण स्तर की कार्यकर्ता है जो आशा के रूप में स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से गरीब महिलाओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएँ प्रदान करती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए रेडक्रास द्वारा आशा कार्यकर्ताओं को प्लस ऑक्सीमीटर कोविड-19 में महामारी के अनुभव को ध्यान में रखते हुए वितरित किये गये हैं। जिसमें वह गरीब सेवा बस्तियों में निवास करने वाली महिलाओं के ऑक्सीजन लेबल की जानकारी लेकर उन्हें चिकित्सीय उपचार का सुझाव दे सकेंगी। उन्होंने कहा कि निरंतर रेडक्रास सिद्धांतों के अनुसार सेवा कार्य कर रही है म.प्र. रेडक्रास द्वारा प्रतिदिन चलित चिकित्सा सेवा के माध्यम से गरीब बस्तियों में लोगों को परामर्श दिया जाकर उपचार किया जा रहा है।

पूर्व मुख्य सचिव के करीबी सौरभ अग्रवाल के ठिकानो पर आईटी की रेड

भोपाल। राजधानी भोपाल में आयकर विभाग की टीम ने आय से अधिक संपत्ति की शिकायत और टैक्स चोरी के मामले में सोमवार को सौरभ अग्रवाल के चूना भट्टी स्थित अल्फा कम्युनिकेशन और परफेक्ट सॉल्यूशंस के कार्यालयो पर रेड मारते हुए आयकर सर्वे शुरू किया है। टैक्स चोरी के मामले में जांच के दायरे में आए कारोबारी सौरभ अग्रवाल को पूर्व मुख्य सचिव का नजदीकी बताया जा रहा है। कार्यवाही शुरू होने के बाद आयकर अफसरों की टीम दस्तावेजों और नकदी व जेवरात की प?ताल शुरु कर दी है। इसके साथ ही टीम सौरभ के कर्मचारियों से भी दस्तावेजों की प?ताल के लिए पूछताछ कर रही है। आयकर विभाग की छानबीन में सौरभ के ठिकानों पर करो?ों रुपए की कर चोरी उजागर होने की संभावना जताई जा रही है। बताया जाता है, कि सौरभ अग्रवाल पूर्व मुख्य सचिव का करीबी भी है, जिनके लिए वह काम करता रहा है। इसके साथ ही उसके कई ब? नेताओं और अफसरों से भी खासे संपर्क हैं।

एनवीडीए बाबू के घर चोरो ने बोला धावा, तीन लाख की नगदी ढाई किलो चॉदी ले भागे चोरी

भोपाल। कमला नगर इलाके में स्थित गीतांजली काम्पलेक्स में एनवीडीए बाबू के सूने फ्लैट पर धावा बोलते हुए चोरो ने लाख की नगदी सहित ढ़ाई किलो चांदी चोरी कर ली है। थाना पुलिस के अनुसार फ्लैट में परिवार सहित रहने वाले शैतान सिंह सिसोदिया पिता इकबाल सिंह (52) ने पुलिस को बताया की वे नर्मदा विकास प्राधिकरण में नौकरी करते हैं। उनका पुश्तैनी मकान सागर जिले में हैं। वे पारिवारिक कार्य के चलते परिवार सहित 8 मार्च की सुबह करीब 10 बजे सागर जाने के लिये निकले थे। आधे रास्ते पहुंचने पर ही पड़ोसियों ने उन्हें फोन कर उनके फ्लैट का ताला टूटा होने की जानकारी दी थी। खबर मिलने पर वह वापस घर लौटे और चैक करने पर घर में रखी तीन लाख की नगदी और ढ़ाई किलो चांदी गायब मिली। बताया गया है की फरियादी की ने अपनी बेटी की शादी के लिये यह रकम और सामान जोड़ कर रखा था।

10 साल की मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। शहर के टीटी नगर इलाके में एक 10 साल की मासूम बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। बताया गया है की मासूम क्षय रोग से पीड़ित थी। थाना पुलिस के अनुसार टीटी नगर स्थित पंचशील नगर में रहने वाले राकेश सिंह निजी काम करते है। उनकी 10 साल की बेटी गुनगुन सिंह की 9-10 मार्च की दरमियानी रात करीब 12 बजे अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनकी पत्नि आसपास के लोगो की मदद से उसे इलाज के लिये जेपी अस्पताल लेकर पहुंची थे। वहाँ डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया।

तकनीकी आधारित नई व्यवस्था से दिखेगा बड़ा बदलाव

फाइलें पकड़ेंगी रफ्तार...तेजी से होगा सरकारी काम

भोपाल। मप्र में सुस्त शासकीय व्यवस्था का गति देने के लिए मुख्य सचिव अनुराग जैन ने निर्देश पर मंत्रालय के साथ ही विभागाध्यक्ष कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू कर दिया गया है। तकनीकी आधारित इस नई व्यवस्था से प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। इससे फाइलों का मूवमेंट ऑनलाइन होने से सरकारी कामकाज में तेजी आएगी।

दरअसल, प्रदेश में सुशासन पर जोर दे रही सरकार का फोकस इस बात पर है कि जनता के काम तेज गति और आसानी से हो। इसके लिए ई-ऑफिस सिस्टम लागू किया गया है। इससे सरकारी विभाग में फाइल किस जगह है, ऑनलाइन पता चल जाएगा। संबंधित फाइल में प्रगति और अपडेट जानकारी भी ऑनलाइन मिलेगी। पत्रावलियों के मूवमेंट और कार्यालयों में फाइलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित होगा। ट्रैकिंग से फाइल डिस्पोजल या काम पूरा होने में देरी होती है तो तुरंत उच्चाधिकारियों के निर्देश के जरिये मूवमेंट तेज किया जा सकता है और फाइल से जुड़े काम को अंजाम दिया जा सकता है।

फाइलों का मूवमेंट डिजिटली

मुख्य सचिव के निर्देश पर विभागाध्यक्ष कार्यालयों में एक मार्च से ई-ऑफिस सिस्टम लागू कर दिया गया है। मंत्रालय की तर्ज पर विभागाध्यक्ष कार्यालयों में कुछ फाइलों का मूवमेंट ऑनालाइन होने लगा है। हालांकि नया सिस्टम होने से अधिकारी, कर्मचारी इस पर काम करने में कतरा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी फाइलों का मूवमेंट डिजिटली होने लगेगा। जानकारी के अनुसार इस महीने राजधानी के दो बड़े प्रशासनिक कार्यालयों में तकनीकी आधारित नई व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। इनका मकसद प्रशासनिक काम-काज में तेजी लाना और कर्मचारियों की निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करना है। एक मार्च से विभागाध्यक्ष कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम शुरू किया गया है। विभागाध्यक्ष कार्यालयों के सभी अधिकारी, कर्मचारियों को जनवरी में इसकी ट्रेनिंग दी गई थी। अधिकारियों का कहना है कि कर्मचारियों की मैनुअली काम करने की आदत वर्षों पुरानी है, इसलिए उन्हें नए सिस्टम में ढलने में कुछ वक्त लगेगा। कई कर्मचारियों को ऑनलाइन फाइलें आगे बढ़ाने में तकनीकी दिक्कतें आ रही है, इसलिए अभी कुछ फाइलों का मूवमेंट ही ऑनलाइन हो रहा है। बता दे कि शासन ने ई-ऑफिस सिस्टम तीन चरणों में लागू करने का निर्णय लिया था। पहले चरण में एक जनवरी से मंत्रालय में और दूसरे चरण में एक मार्च से विभागाध्यक्ष कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू हो चुका है। तीसरे चरण में सभी जिला स्तर के कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू करने की तैयारी है।

कर्मचारियों की लेटलतीफी पर भी अंकुश

मंत्रालय में अधिकारी, कर्मचारियों की लेटलतीफी पर अंकुश लगाने के लिए अटेंडेंस की नई तकनीकी आधारित व्यवस्था आधार बेस्ड फेस अटेंडेंस लगना शुरू हो गई है। इस नए सिस्टम में कर्मचारियों को वल्लभ भवन की 100 मीटर की परिधि में अपने मोबाइल से अटेंडेंस लगाना पड़ रही है। अटेंडेंस लगाने के बाद जीएडी के सिस्टम और संबंधित कर्मचारी के मोबाइल पर मैसेज आता है। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अभी नया सिस्टम ट्रायल पर है, इसलिए कई कर्मचारी आधार बेस्ड ई अटेंडेंस लगाने से बच रहे हैं। नए सिस्टम में सामने आ रही खामियों को दूर कर इसे अप्रैल से सख्ती से लागू करने की तैयारी है। मंत्रालय में कर्मचारियों की संख्या करीब 1400 है। दरअसल, मंत्रालय में कई अधिकारी-कर्मचारियों की लेटलतीफी को देखते हुए शासन ने पिछले साल जून में सख्ती बरतते हुए अटेंडेंस को लेकर नई व्यवस्था शुरू की थी। इस व्यवस्था में कर्मचारियों को मंत्रालय पहुंचकर सबसे पहले अटेंडेंस रजिस्टर में हस्ताक्षर करना होते थे। रोजाना इसकी रिपोर्ट जीएडी के पास जाती थी। लेट पहुंचने वाले कर्मचारियों की कैजुअल लीव (सीएल) लगा दी जाती थी। इस सख्ती का नतीजा यह हुआ कि कर्मचारी समय पर कार्यालय पहुंचने लगे लेकिन कुछ महीनों बाद जैसे ही विभागों ने अटेंडेंस की डेली रिपोर्ट सौंपे जाने को लेकर नरमी बरती, कर्मचारियों का वही पुराना ढर्रा शुरू हो गया। वे पूर्व की तरह देरी से मंत्रालय पहुंचने लगे। इसे देखते हुए मंत्रालय में आधार बेस्ड फेस अटेंडेंस सिस्टम शुरू किया गया है। गौरतलब है कि मप्र सरकार ने करीब चार साल पहले केंद्र सरकार की तर्ज पर प्रदेश के सरकारी कार्यालयों में फाइव डेज वीक लागू किया था। सामान्य प्रशासन विभाग ने 8 अप्रैल, 2021 को इस संबंध में आदेश जारी किया था। आदेश के अनुसार कार्यालयों के पूर्व के समय (सुबह 10.30 से शाम 5.30 बजे) में संशोधन करते हुए सभी सरकारी कार्यालयों का समय सुबह 10 से शाम 6 बजे तक कर दिया गया है। जीएडी के आदेश के बाद रविवार के साथ ही हर शनिवार को सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहने लगा है, जबकि कोरोना काल से पूर्व महीने के पहले और चौथे शनिवार को सरकारी कार्यालय बंद रहते थे। लेकिन इसके बावजूद कर्मचारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंच रहे हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी में पूरी क्षमता से जुट जाएं

सिटीजन फीडबैक की गति में और तेजी लाएं

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर समक्ष में तथा वी.सी.के माध्यम से दिए निर्देश

भोपाल। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने स्वच्छ सर्वेक्षण के मापदण्डों अनुसार साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर समक्ष में एवं वी.सी.के माध्यम से निर्देशित किया कि स्वच्छ सर्वेक्षण का समय बहुत नजदीक है और सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी क्षमता के साथ स्वच्छ सर्वेक्षण के कार्य में जुट जाए। निगम आयुक्त नारायन ने दृश्य स्वच्छता को बेहतर बनाने, बैकलेन की साफ-सफाई कर बेहतर स्वरूप देने, व्यवसायिक क्षेत्रों में साफ-सफाई पर ध्यान देने और कहीं पर भी पानी का बहाव स?क पर न होने देने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नारायन ने सिटीजन फीडबैक की प्रगति संतोषजनक न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को सिटीजन फीडबैक की संख्या में और तेजी लाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नारायन ने भदभदा क्षेत्र में कचरे की ढ़ेरी में आग लगी होने पर स्वयं ख? होकर आग को बुझवाया और स्वच्छताकर्मी को बुलाकर साफ-सफाई के बाद ?रियों को तत्काल उठवाने की समझाइश दी।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने सोमवार को लिंक रोड नंबर 03, मैनिट चैराहा, नेहरू नगर, कोटरा, भदभदा, सूरज नगर, गौरे गांव, रातीब? मार्ग, कैरवा बांध मार्ग आदि क्षेत्रों का निरीक्षण किया और वी.सी.के माध्यम से अधिकारियों को बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नारायन ने निर्देशित किया कि स्वच्छ सर्वेक्षण का समय बहुत नजदीक है और सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी क्षमता के साथ स्वच्छ सर्वेक्षण के कार्य में जुट जाए और शहर को स्वच्छता में बेहतर स्वरूप प्रदान करें। निगम आयुक्त नारायन ने सेंट्रल वर्ज, साईड वर्ज में धूल-मिट्टी को हटाने और दृश्य स्वच्छता को बेहतर बनाने तथा ग्रीन एरिया में पिकिंग कराने के निर्देश दिए।

विधानसभा का घेराव करने निकले कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने वाटर कैनन से आगे बढ़ने से रोका

भोपाल। राजधानी भोपाल में कांग्रेस किसान के बैनर तले कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। रंगमहल चौराहे पर प्रदर्शन के बाद विधानसभा का घेराव करने निकले कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने वाटर कैनन से सभी को आगे बढ़ने से रोक लिया। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी प्रदर्शन में शामिल हुए। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार किसानों की बात सुनना नहीं चाहती। कांग्रेस किसानों के हक के लिए आवाज उठाती है तो वाटर कैनन छोड़ा जाता है, लाठीचार्ज किया जाता है। व

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि न सोयाबीन के सही दाम हैं न गेहूं के दाम हैं। ये कैसा अहंकार है। जब किसान ज्ञापन देने आते हैं तो वो भी नहीं सुनते। हमारे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार से 10 सवाल पूछे, बीजेपी की मोहन सरकार के पास इन सवालों के कोई उत्तर नहीं है। हम किसानों की लड़ाई तन-मन और धन से लड़ेंगे। पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों से किए वादे भूल गई है, इसीलिए सोई भाजपा सत्ता को जगाने के लिए प्रदेश भर से आए किसानों के साथ विधानसभा का घेराव किया! किसान कांग्रेस का एक ही संकल्प है! किसान विरोधी मोहन सरकार, को सबक सिखाना ही,अब विकल्प है।

सरकार के पास किसानों के सवालों के जवाब नहीं

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा, न सोयाबीन के सही दाम हैं न गेहूं के दाम हैं। ये कैसा अहंकार है, जब किसान ज्ञापन देने आते हैं तो वो भी नहीं सुनते। हमारे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार से 10 सवाल पूछे, बीजेपी की मोहन सरकार के पास इन सवालों के कोई उत्तर नहीं है। हम किसानों की लड़ाई तन-मन और धन से करेंगे।

जनता के मुद्दों से मुंह छिपा रही सरकार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि उन्हें वाटर केनन और लाठियों से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। उन्होंने कहा कि किसानों की बात करने पर हमारे ऊपर वाटर केनन और लाठीचार्ज करके किया जा रहा है। उमंग सिंघार ने आगे कहा कि सरकार जनता के मुद्दों से मुंह छिपा रही है और विपक्ष की आवाज दबाने में लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके तमाम विधायक सदन से लेकर सड़क तक किसानों की आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि किसानों के एमएसपी और युवाओं के रोजगार को लेकर मजबूती से संघर्ष किया जाएगा।

मप्र के आउटसोर्स और अस्थाई कर्मचारियों ने किया आंदोलन का ऐलान

नियमितीकरण के लिए 15 अप्रैल को निकालेंगे जिला स्तर पर रैलियां

भोपाल। मध्य प्रदेश में आउटसोर्स और अस्थाई कर्मचारियों के नियमितीकरण आंदोलन ने नया मोड़ ले लिया है। रविवार को कामगार क्रांति आंदोलन के दौरान नेताओं की गिरफ्तारी से नाराज आंदोलित कर्मचारियों ने 15 अप्रैल को जिला स्तर पर रैलियां निकालने और 1 मई को संभाग स्तर पर धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। गिरफ्तार नेताओं को पुलिस ने देर रात रिहा किया। उधर, इस गिरफ्तारी के विरोध में महिलाकर्मी रात 11 बजे तक धरना स्थल पर बैठी रहीं।

कर्मचारी नेताओं का कहना है कि नौकरी में आउटसोर्स और अस्थाई प्रथा का अंत कराया जाएगा। साथ ही अंशकालीन और पंचायत चौकीदारों को न्यूनतम वेतन दिलाने की लड़ाई जारी रहेगी। आउटसोर्स, अस्थाई कर्मचारी मोर्चा मप्र के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि भोपाल पहुंचकर हक और अधिकार की बात करना भी अब अपराध हो गया है। वे कहते हैं कि पहले तो आंदोलन की अनुमति ही नहीं मिलती, जिससे लगता है राजधानी सिर्फ नेताओं, विधायकों, मंत्रियों के लिए ही है, यहां पीड़ित, प्रताड़ित, वंचित लोग अपनी बात नहीं कर सकते और यदि करने की कोशिश करते हैं तो गिरफ्तार कर लिया जाता है जैसा आज किया गया। शर्मा ने कहा कि सरकार के इस रवैये के खिलाफ संघर्ष जारी रखने की जरूरत है, हम लोग नौकरी में लागू आउटसोर्स अस्थाई प्रथा का अंत कराने एवं नियमितीकरण के लिए संघर्ष करेंगे। जिसके तहत 15 अप्रैल को जिलों में रैलियां और ज्ञापन दिए जाएंगे। 1 मई को संभागीय स्तर पर धरना प्रदर्शन करेंगे। हम फिर भोपाल में क्रांति आंदोलन करेंगे और सरकार से कहेंगे कि हम लोग चुप बैठकर अन्याय सहने को तैयार नहीं हैं।

मप्र का पहला मेट्रो सिटी बनेगा इंदौर !

5 जिलों का भविष्य बदल देगा ये मास्टरप्लान

भोपाल। मप्र के प्रमुख शहरों को मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, चैन्नई, बेंगलोर जैसे महानगरों की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। खासतौर पर राजधानी भोपाल और इंदौर को मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाने की कवायद चल रही है। इंदौर मेट्रोपॉलिटन सिटी का खाका तो तैयार भी हो गया है। मप्र सरकार इंदौर को मेट्रोपॉलिटन सिटी का दर्जा दिलाने के लिए तेजी से काम कर रही है। इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन का खाका तैयार हो गया है। उसमें पांच जिलों की 29 तहसीलों में आने वाले 1756 गांवों के 9336 वर्ग किमी एरिया को शामिल किया गया। इसी को लेकर इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजनल प्लान पर चर्चा के लिए गतदिनों कलेक्टर कार्यालय में अहम बैठक आयोजित की गई। इसमें इंदौर, उज्जैन, धार, शाजापुर और देवास जिलों के जनप्रतिनिधियों ने ऑनलाइन जुड़कर अपने सुझाव दिए। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण ने मेट्रोपॉलिटन सिटी की योजना का प्रेजेंटेशन दिया, जिसमें पांचों जिलों के शामिल हिस्सों की जानकारी साझा की गई। योजना के तहत इंदौर जिले का 100 प्रतिशत, उज्जैन का 45 प्रतिशत, देवास का 29.72 प्रतिशत, धार का 7 प्रतिशत और शाजापुर का 0.54 प्रतिशत क्षेत्र इसमें शामिल होगा। बैठक में चार जिलों के सांसद, 20 विधायक, तीन महापौर, दो नगर पालिका अध्यक्ष और चार कलेक्टरों के शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन कुछ जनप्रतिनिधि व्यस्तता के कारण शामिल नहीं हो सके।

इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने बैठक के बाद बताया कि प्रदेश सरकार इस योजना को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र के विकास को लेकर अलग से समिति बनाने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। प्रस्तावों को एकत्र कर सात दिनों के भीतर प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा। साथ ही, मेट्रोपॉलिटन सिटी के लिए अलग से इंडस्ट्रियल अथॉरिटी बनाने की मांग भी रखी जाएगी। इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर का विकास प्रदेश की प्राथमिकता है। सरकार द्वारा मेट्रोपॉलिटन प्लान को जल्द से जल्द लागू करने का प्रयास किया जाएगा ताकि क्षेत्र में आर्थिक और बुनियादी ढांचे का विस्तार हो सके। अब देखना यह होगा कि प्रदेश और केंद्र सरकार इस योजना को कब तक मंजूरी देती है। यदि यह योजना साकार होती है, तो इंदौर प्रदेश का पहला मेट्रोपॉलिटन सिटी बनने की ओर अग्रसर होगा।

5 जिलों को जोड़कर प्लान तैयार

इंदौर, उज्जैन, धार, देवास और शाजापुर को मिलाकर 2051 के हिसाब से इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन (आइएमआर) का प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसमें कनेक्टिविटी, उद्योग और पर्यावरण संतुलन को साथ लेकर विकास होगा। क्षेत्र की औद्योगिक ईकाइयों को मजबूत करने के लिए दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर को भी शामिल गया है। सोनकच्छ को भी प्लान में रखा गया है ताकि भोपाल का मेट्रोपॉलिटन रीजन को भी इंदौर के प्लान से कनेक्ट किया जा सके। इसके लिए 3 बिंदुओं पर औद्योगिक, कनेक्टिविटी और पर्यावरण ध्यान दिया जा रहा है। रीजन में औद्योगिक क्षेत्र के विकास पर खासा फोकस किया गया है, जिसके चलते दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को जोड़ा गया। बदनावर में पीएम मित्रा पार्क के साथ धार के पीथमपुर, देवास, मक्सी के भी औद्योगिक क्षेत्र को शामिल गया है। इंदौर को आधार बनाया गया, क्योंकि यहां का एयरपोर्ट सबसे बढ़ा है। उज्जैन व धार में सिर्फ हवाई पट्टी है। इंदौर, उज्जैन, मक्सी और नागदा में रेलवे का बड़ा जंक्शन है तो सड़क मार्ग के लिए नेशनल हाईवे व एमपीआरडीसी की सड़क है। रीजन में पर्यावरण का ध्यान रखा गया है। वन क्षेत्र को भी जोड़ा गया है, जिससे एयर क्वालिटी इंडेक्स ठीक रहेगी। छोटी-छोटी नदी, तालाब जैसी जल संरचनाओं को लिया।

मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी बनेगी

मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी बनाई जाएगी। इसके दो तिहाई सदस्य मेट्रोपॉलिटन रीजन में आने वाले नगर निगम, नगर पालिका और पंचायत के चुने हुए प्रतिनिधि होंगे। इन्हें रीजन की आबादी के अनुपात के हिसाब से शामिल किया जाएगा। कमेटी को महानगर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का जनसंख्या के आधार पर बंटवारा, नियोजित विकास, जमीन के उपयोग में परिवर्तन और उपलब्ध फंड के हिसाब से योजनाएं बनाकर राज्य सरकार को भेजने का अधिकार होगा। मेट्रोपॉलिटन एरिया बनाने के लिए इसमें शामिल जिलों की अलग-अलग तहसील, निकायों का डेटा, वहां की जनसंख्या, स्थापित उद्योग, क्षेत्र की विशेषता की स्टडी होगी। पहले एक सिचुएशन एनालिसिस का ड्राफ्ट बनेगा। इसके बाद वहां की भौगोलिक, आर्थिक, धार्मिक-सामाजिक स्थिति का आकलन होगा। कहां कौन सी इंडस्ट्री है, किस तरह की जरूरतें हैं, इसका भी खाका तैयार होगा। मेट्रोपॉलिटन रीजन में शामिल सभी शहरों के लिए केंद्र और राज्य से मिलने वाला फंड एक ही बैंक खाते में संयुक्त तौर पर आएगा। इसके लिए राज्य और केंद्र सरकार के बीच एक एमओयू साइन होगा।

प्रदर्शन के बीच कांग्रेस का मंच टूटा...

जीतू पटवारी समेत कई नेता गिरे, कई घायल

भोपाल। विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन घेराव के इरादे से उतरी किसान कांग्रेस ने रंगमहल चौराहे पर अपना मंच सजाया। कांग्रेस किसान नेताओं का प्रदर्शन उस वक्त हादसे में बदल गया, जब अधिक भार के कारण मंच टूट गया। जीतू पटवारी, हरीश चौधरी समेत कई नेता नीचे गिर पड़े, जिससे राजीव सिंह समेत कई कार्यकर्ताओं और महिलाओं को चोटें आईं। घायल नेताओं को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस नहीं मिलने पर निजी वाहनों का उपयोग किया गया।

जानकारी के मुताबिक 10 से ज्यादा कांग्रेसी घायल हुए हैं। घायलों में मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान भी हैं। कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव सिंह को पसलियों में लोहे की रॉड लगी है। राजीव सिंह, प्रवक्ता रोशनी यादव सिद्धांता अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में हैं। पूर्व विधायक रवि जोशी और शैलेंद्र पटेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल के ऑपरेशन थिएटर में हैं। घटना की थोड़ी देर बाद ही किसान कांग्रेस के कार्यकर्ता आगे बढ़े। पुलिस ने वाटर कैनन से सभी को आगे बढ़ने से रोक लिया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, सरकार किसानों की बात सुनना नहीं चाहती। कांग्रेस किसानों के हक के लिए आवाज उठाती है तो वाटर कैनन छोड़ा जाता है, लाठीचार्ज किया जाता है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके बाद वे मंच टूटने से घायल हुए नेता और कार्यकर्ताओं से मिले। उन्होंने कहा कि घायलों कि हालत अब ठीक है।

नहीं मिली एंबुलेंस

हादसे में कई कार्यकर्ताओं और महिलाओं को चोट आई है। घायल नेताओं को अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस नहीं मिली तो गाड़ियों से भेजा गया है। हादसे में राजीव सिंह को ज्यादा चोट आने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें सुबह से ही मंच सजाने की तैयारी चल रही थी। विधानसभा घेराव को देखते हुए पुलिस भी पूरी तरह से मुस्तैद थी। पुलिस ने रोशनपुरा चौराहे पर बैरिकेडिंग की हुई थी। वाटर कैनन, टियर स्मोक गैस और अन्य सुरक्षा संसाधनों के साथ पुलिस के जवान तैनात किए गए थे।

भाजपा नहीं चाहती थी कि प्रदर्शन हो

पूर्व नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने मंच टूटने को लेकर कहा, ये भाजपा का षड्यंत्र है। वो चाहती ही नहीं थी कि कांग्रेस का प्रदर्शन हो। बड़ी मुश्किल से मंच लगाने की परमिशन दी, लेकिन मंच के लिए मजबूत पाए लगाने नहीं दिए। और हमारे यहां ये परंपरा है कि मंच पर पदाधिकारी भी मौजूद रहते हैं। ज्यादा भार के कारण मंच टूट गया।

नाटो से निकला अमेरिका तो कम होगा दबदवा, रक्षा उद्योग होगा अपंग

चीन और रुस के करीब जा सकता है यूरोप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद नाटो के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। ट्रंप के सबसे करीबी एलन मस्क ने हाल ही में नाटो और यूएन से निकलने का समर्थन किया था। गौरतलब है कि मस्क अकेले व्यक्ति नहीं हैं जो नाटो से निकलने की बात करते हैं। ट्रंप की पार्टी के कई सांसद भी संगठन से निकलने का समर्थन करते हैं। ट्रंप भी नाटो के यूरोपीय सदस्यों पर बजट का हिस्सा न देने का आरोप लगाकर भड़कते रहे हैं। अब सवाल है कि क्या ट्रंप नाटो छोड़ सकते हैं और अगर ऐसा होता है तब अमेरिका और दुनिया पर क्या असर होगा?

नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) की स्थापना 4 अप्रैल 1949 को हुई थी। अमेरिका के नेतृत्व में नॉटो को सोवियत संघ (यूएसएसआर) के बढ़ते प्रभाव और साम्यवाद के प्रसार को रोकने के लिए बनाया गया था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के देशों को डर था कि सोवियत संघ यूरोप में अपना प्रभुत्व बढ़ा सकता है।

लेकिन नाटो से बाहर निकलना अमेरिका के लिए आसान नहीं है। साल 2023 में सीनेटर टिम केन और मार्को रुबियो ने कानून लिखा, जिसमें कहा गया कि नाटो से निकलने का किसी भी राष्ट्रपति का निर्णय या तब दो-तिहाई सीनेट की मंजूरी या कांग्रेस के एक अधिनियम के जरिए अधिकृत होना चाहिए। 2024 में इस नियम को पारित किया गया। यह कानून राष्ट्रपति की ओर से एकतरफा फैसले को रोकता है। हालांकि कई जानकार कहते हैं कि कानून पूरी तरह ठोस नहीं है और अमेरिकी राष्ट्रपति इस कानून को दरकिनार कर सकते हैं। भले ही नाटो से निकलना अमेरिका के लिए मुश्किल है। लेकिन एक वक्त के लिए मान लेते हैं कि मस्क का मंसूबा कामयाब हो जाता है। तब दुनिया पर क्या असर होगा?

अगर अमेरिका नाटो से बाहर निकलता है, तब यह न केवल यूरोप के लिए बल्कि अमेरिका के लिए भी मुश्किलें खड़ी करेगा। अमेरिका नाटो की रीढ़ है, जो सबसे ज्यादा सैनिक, हथियार और धन मुहैया कराता है। अमेरिका के बिना नाटो किसी काम का नहीं रहेगा। रूस सीधे नाटो से भिड़ जाएगा। अमेरिकी यूनिवर्सिटी के अंतरराष्टीय संबंधों के प्रोफेसर और नाटो पर कई किताबों के लेखक का कहना है कि इसके परिणाम अराजक हो सकते है।

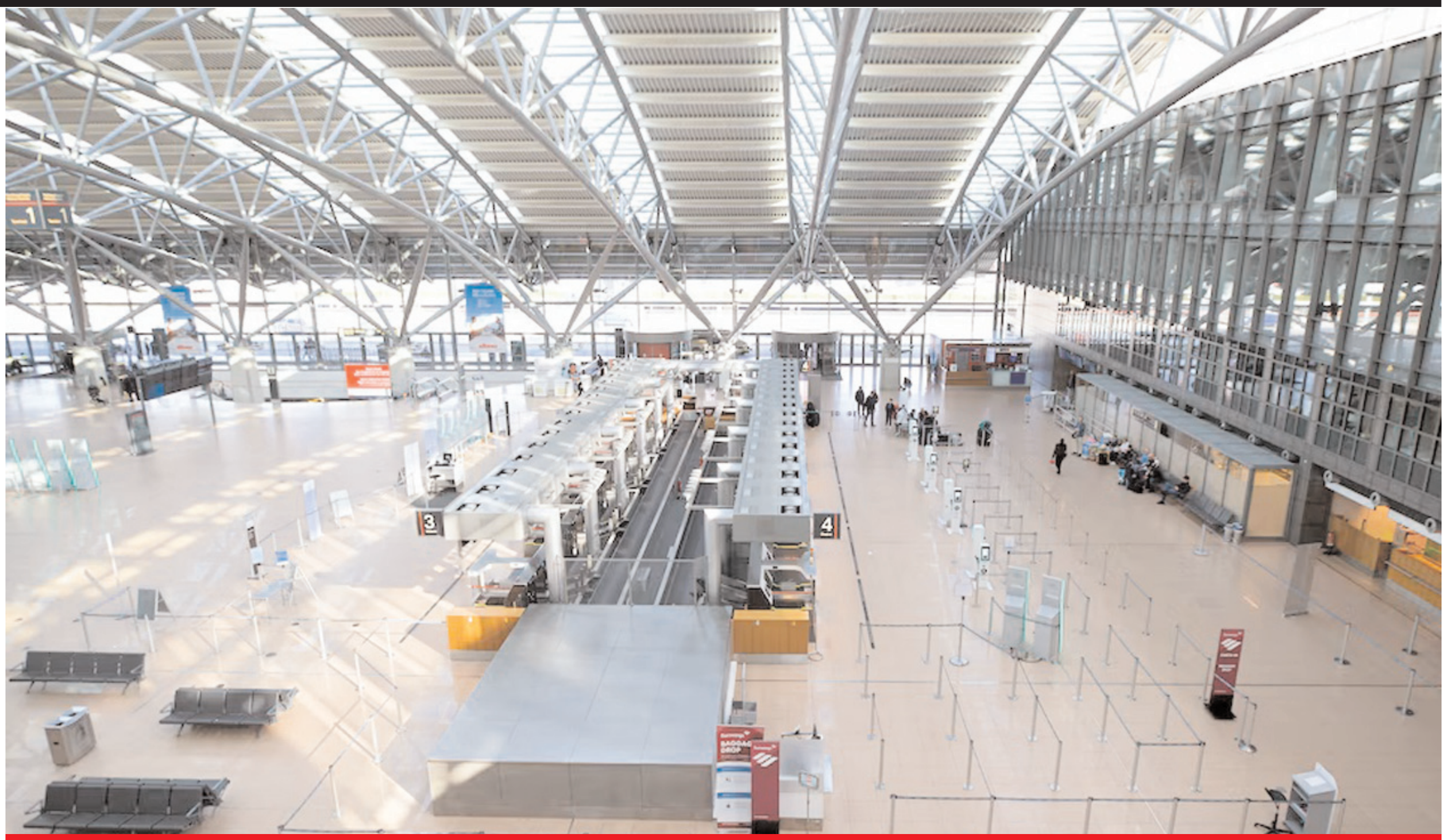

हेम्बर्ग में जर्मन एयरपोर्ट पर हड़ताल के कारण चारों ओर सन्नाटा नजर आ रहा।

नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रंप को सुना दी खरी-खरी, कनाडा कभी भी नहीं बनेगा अमेरिका का हिस्सा

ओटावा। कनाडा के नवनियुक्त प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पद संभालते ही सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप पर आग उगाते दिखाई दिए। अमेरिका राष्टपति का नाम लिए बिना उन्होंने स्पष्ट किया है कि कनाडा कभी भी अमेरिका का हिस्सा बनना कबूल नहीं करेगा। बता दें कि अमेरिकी राष्टपति ट्रंप जबसे सत्ता में आए हैं, वे कनाडा पर हमलावर हैं। पहले उन्होंने टैरिफ की धमकी दी और अब उनका कहना है कि अमेरिका और कनाडा के बीच की सीमा का पुनर्निर्धारण होना चाहिए। जस्टिन ट्रूडो पर उनकी ही पार्टी के अविश्वास के बाद अब अर्थव्यवस्था के जानकार और ट्रूडो सरकार में ही मंत्री रहे चुके मार्क कार्नी को प्रधानमंत्री बनाया है।

कार्नी ने कहा कि लिबरल पार्टी एकजुट है और कनाडा के हित में पहले ही की तरह काम करने को तैयार है। कार्नी ने अपने पहले ही भाषण ट्रंप का नाम लिया बिना कहा कि देश को दुनिया का महान देश बनाया है और अब पड़ोसी चाहता है कि इसपर कब्जा कर ले। यह कभी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, अमेरिका हमारे संसाधनों का दोहन करना चाहता है। अमेरिका को हमारे पानी, भूमि और देश की जरूरत है। अगर वे सफल हो गए तब हम खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक संस्कृति को खत्म करने वाले पड़ाव पर आ खड़ा हुआ है। वहीं कनाडा विविधता का सम्मान करता है। कनाडा किसी भी रूप में अमेरिका का हिस्सा नहीं हो सकता।

बात दें कि कार्नी 'बैंक ऑफ कनाडा' के पूर्व प्रमुख हैं और 'बैंक ऑफ इंग्लैंड' में अहम पद पर सेवाएं दे चुके हैं, कहा जाता हैं कि इन अहम पदों पर रहने के कारण वह देश को आर्थिक चुनौतियों से बाहर निकालने में सफल रह सकते है। कार्नी ने कहा, 'कोई है जो हमारी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है।' उनका सीधा इशारा ट्रंप की तरफ था।

उन्होंने कहा, 'जैसा कि हम जानते हैं ट्रंप ने हमारे द्वारा बनाए गए उत्पादों, हमारे द्वारा बेची जाने वाली वस्तुओं और हमारे जीवनयापन के साधनों पर अनुचित शुल्क लगा दिए हैं। वह कनाडाई परिवारों, श्रमिकों और व्यवसायों पर हमला कर रहे हैं लेकिन हम उन्हें सफल नहीं होने दे सकते।' कार्नी ने कहा कि कनाडा तब तक जवाबी शुल्क लागू रखेगा जब तक अमेरिकी शुल्क को जारी रखता है।

स्पेनिश पुलिस ने एक महिला सहित 11 पाकिस्तानी कट्टरपंथियों को गिरफ्तार किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने जो कट्टरपंथ और आतंकवाद का जहरीला पौधा कभी रोपा था, वह अब एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है, जो धीरे-धीरे पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लेता जा रहा है। यह आतंकवादी संगठन न केवल पाकिस्तान को अस्थिर कर रहे हैं, बल्कि अब विदेशों में भी कोहराम मचा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला स्पेन में सामने आया है, जहां बार्सिलोना पुलिस ने एक महिला सहित 11 पाकिस्तानी कट्टरपंथियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को अंतरराष्टीय सुरक्षा एजेंसियों से सूचना मिली थी कि यूरोप और स्पेन में कुछ बड़े लोगों पर हमले की साजिश रची जा रही है।

इसके बाद स्पेनिश सुरक्षा एजेंसियों ने दो जगहों पर छापेमारी की और एक महिला सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया। ये सभी पाकिस्तान के कट्टरपंथी संगठन 'तहरीक-ए-लब्बैक' से जुड़े हुए हैं। पूछताछ में सामने आया हैं कि यह कट्टरपंथी संगठन ईशनिंदा के आरोपों को लेकर यूरोप और स्पेन में कई लोगों पर घातक हमले की योजना बना रहा था। इन हमलों का महिमामंडन करने की तैयारी भी चल रही थी।

इस मामले में गिरफ्तार महिला, जिसका नाम कुलसुम बताया गया है, ने 'टीएलपी सिस्टर्स' नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया था। ग्रुप में 40 लोग शामिल थे। ग्रुप में इस बात की डिटेल शेयर की जा रही थी कि आखिर हमला किसपर करना है और कब करना है? इस ग्रुप पर हमलों की योजना, तरीके और समय के बारे में जानकारी साझा की जा रही थी। स्पेनिश पुलिस के मुताबिक 38 साल की कुलसुम का पति पहले से ही जेल में है। पुलिस ने उनके ठिकानों से नकदी, हथियार और अन्य सामान बरामद किया है। यह घटना पाकिस्तानी कट्टरपंथियों की वैश्विक पहुंच और उनकी खतरनाक योजनाओं को उजागर करती है।

नौ देशों के पास 12000 एटम बम

न्यूयॉर्क। फेडरेशन ऑफ़ अमेरिकन साइंटिस्ट की रिपोर्ट के अनुसार नौ देशों के पास 12000 से अधिक एटम बम है। जिस तरह की स्थितियां वैश्विक स्तर पर बन रही हैं। उसके बाद घातक हथियारों को लेकर सारे देश एक दूसरे के बारे में जानने का प्रयास कर रहे हैं। यदि तृतीय विश्व युद्ध हुआ,तो किस तरह के हालात होंगे। सबसे ज्यादा एटम बम का हथियार रूस के पास है। रूस के पास 5044, अमेरिका के पास 500 चीन के पास 290 फ्रांस के पास 225 ब्रिटेन के पास 172 भारत के पास 170 पाकिस्तान के पास 90 इजरायल और उत्तर कोरिया के पास 50-50 एटम बम अधिकृत रूप से स्टोर में रखे होना बताया गया है। रूस ने 1710 और अमेरिका ने 1670 फ्रांस ने 290 परमाणु हथियारों को पहले से ही तैनात करके रखा है। भारत-पाकिस्तान और उत्तर कोरिया ने एटमी हथियार तैयार कर स्टोर में रखे हुए हैं।

आज का इतिहास 11 मार्च

1399 तैमूर ने वापसी में दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में लूट पाट की.

1845 न्यूजीलैंड में माओरी विद्रोह भड़का.

1917 प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिश फौजों ने बगदाद पर कब्जा किया.

1920 अमीर फैजल सीरिया के शासक बने.

1921 फ्रांस ने तुर्की के साथ संधि कर सिलेसिया पर अपना दावा छोड़ा.

1938 जर्मन फौजें आस्ट्रिया पहुंची.

1944 क्रिश्चियन डेमोक्रेट एडुअर्ड फ्रेई ने चिली के राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला.

1948 प्रथम आधुनिक जहाज जलउषा का जलावतरण किया गया.

1963 चितरंजन रेल कारखाने से पहला इंजिन बनकर बाहर निकला.

1975 द्वितीय विश्व युद्ध में ट्यूनिसिया पर जर्मनी के जवाबी हमले को ब्रिटेन ने नाकाम कर दिया.

1975 पुर्तगाल में सैन्य शासन को पलटने की नाकाम कोशिश हुई.

1987 सूडान प्रायोजित चाड और लीबिया शांति वार्ता टूट गई.

1988 चीन ने तिब्बती विद्रोहियों को समर्पण करने की चेतावनी दी.

1997 बासिक मफिनो अल्बानिया के प्रधानमंत्री बने.

2000 बिहार में राजद की नेता राबड़ी देवी ने 36 वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली.

2001भारत के पुलेला गोपीचंद ने आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप जीतनेवाले दूसरे खिलाड़ी बनें.

2001 क्रिकेटर हरभजन ने कोलकता में हुए टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ हैट्रिक बनाई.

2005 लक्ष्मी मित्तल विश्व के तीसरे सबसे बड़े अमीर व्यक्ति बने.

प्रसंगत: जनकल्याण की राह

एक बार अयोध्या के राजा रघु के दरबार में इस प्रश्न पर बहस चल रही थी कि राजकोष का उपयोग किन प्रयोजनों के लिए किया जाए? एक पक्ष का मत था कि सैन्य शक्ति बढ़ाई जाए ताकि न केवल अपनी सुरक्षा हो बल्कि राज्य के विस्तार की योजना भी आगे बढ़े। इस अभियान पर जो खर्च होगा उसकी भरपाई पराजित देशों से मिलने वाले संसाधनों से की जा सकेगी। दूसरे पक्ष का कहना था कि राजकोष प्रजा जन के हित में खर्च किया जाए ताकि उनका जीवन स्तर बढ़ सके। अगर सुखी, संतुष्ट, साहसी और सहृदय नागरिक हों तो देश समृद्ध होता है। इस प्रकार युद्ध करके नए क्षेत्र जीतने की अपेक्षा मैत्री का विस्तार कहीं अधिक लाभदायक है। उससे स्वेच्छया सहयोग और अपनत्व की ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होती हैं, जिनके कारण छोटा देश भी चक्रवर्ती स्तर का बन सकता है। दोनों पक्षों के तर्क चलते रहे। सबके मन में उत्सुकता थी कि आखिर राजा रघु क्या निर्णय देते हैं। जब सबने अपनी बात समाप्त की तब उन्होंने कहा, 'युद्ध पीढ़ियों से लड़े जाते रहे हैं। उनके कड़वे-मीठे परिणाम भी स्मृति पटल पर अंकित हैं। लेकिन इस बार युद्ध छोड़ दिया जाए और लोकमंगल को अपनाया जाए। देखते हैं क्या होता है। समस्त संपत्ति जनकल्याण की योजनाओं पर खर्च कर दी जाए।' कुछ सभासद दबे-छुपे इस निर्णय की आलोचना करने लगे। उन्हें अनिष्ट की आशंका सताने लगी। उधर रघु के निर्णय के मुताबिक विकास योजनाएं तेज कर दी गईं। धीरे-धीरे प्रजाजन हर दृष्टि से समुन्नत हो गए। आक्रमण की चर्चाएं समाप्त हो गई। सुख-शांति के समाचार पाकर अन्य देशों के समर्थ लोग वहां आकर बसने लगे। बंजर भूमि सोना उगलने लगी और अयोध्या में खुशहाली फैल गई।

दैनिक पंचांग

11 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

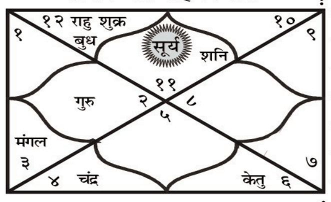

मंगलवार 2025 वर्ष का 70 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 08.15 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 02.16 बजे रात्र को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 13.18 बजे को समाप्त। **करण** बालव 08.15 बजे तदनन्तर कौलव 20.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 03° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872280
जूलियन दिन 2460745.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान
तारीख 10
विशेष प्रदोष व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.27 बजे से
चंद्र	कर्क में	मेष	07.57 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.37 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.36 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.49 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.05 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.17 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.28 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.42 ब.से
राहुकाल		धनु	00.58 बजे से
3.00 से 4.30		मकर	03.04 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.50 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राशिफल

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, फाल्गुन शुक्ल पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम तिथि द्वादशी, मंगलवासरे, अश्लेषा नक्षत्रे, अतिगंड योगे, वालव करणे, कर्क की चंद्रमा, प्रदोष व्रत सर्वार्थ सिद्ध योग 50/58 उग्रकर्म मुर्हूत तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, सेक्शन ऑफिसर, धनी होगा।

मेष राशि: कार्य-कुशलता से संतोष तथा मनोबल उत्साववर्धक होगा, कार्य का ध्यान रखें।

वृष राशि: स्वभाव में खिन्नता होने से हीन भावना से बचिये अन्यथा झगड़ा होगा।

मिथुन राशि: अशांति तथा विलासिता से बचिये तथा विवाद होने की संभावना है सावधान रहें।

कर्क राशि: स्त्री वर्ग से भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, रुके कार्यो से परेशानी होगी, धैर्य रखें।

सिंह राशि: आलोचनाओं से बचिये, कार्य-कुशलता से संतोष होगा, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि: धीमी गति में सुधार अपेक्षित होगा तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला राशि: स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, शत्रु वर्ग से चिन्ता होगी, कुटुम्ब की समस्यायें खत्म होंगी।

वृश्चिक राशि: योजना फलीभूत होगी तथा इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, कार्य अवरोध होगा।

धनु राशि: मित्रों से सहयोग मिलेगा, रुके कार्य बनेंगे, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि: कुटुम्ब में सुख, मान-प्रतिष्ठा बड़ेगी, बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा।

कुंभ राशि: भाग्य का सितारा प्रबल होगा, दैनिक गति मंद तथा बिगड़े कार्य अवश्य बनेंगे।

मीन राशि: कार्य व्यवस्था में अनुकूलता बनेगी, समृद्धि के साधन अवश्य बनेंगे।

पीएल गौतमाचार्य // मोनिका

चाबहार पोर्ट के करीब पहुंच रहे ईरान, चीन और रुस के बेड़े

ओमान की खाडी में होने जा रहा संयुक्त नौसैनिक अभ्यास

चाबहार। ईरान का चाबहार पोर्ट भारत के लिए खास है। भारत इस ईरानी पोर्ट को अपने रणनीतिक और आर्थिक हितों के लिए विकसित कर रहा है। चाबहार पोर्ट इन दिनों फिर सुर्खियों में है। इस पोर्ट के पास ही ओमान की खाड़ी में एक अहम संयुक्त नौसैनिक अभ्यास होने जा रहा है। इस अभ्यास में चीन, ईरान और रूस के नौसेना समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

यह अभ्यास ऐसे वक्त हो रहा है जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ 'मैक्सिमम प्रेशर' की धमकी दी है और चीन पर ईरान और उत्तर कोरिया को मदद देने के आरोपों के साथ नए प्रतिबंध लगाने की बात कही है। इस परिस्थिति में, चीन, रूस और ईरान के बीच हो रहे इस अभ्यास को लेकर वैश्विक रणनीतिक विश्लेषकों की चिंता जताई है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि ईरान आखिर चीन और रूस के साथ मिलकर क्या रणनीति बना रहा है?

चाबहार पोर्ट स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ और भारतीय महासागर के बीच स्थित है। यह एक समुद्री रास्ता है, जो कच्चे तेल की शिपिंग के लिए अहम है। इस लिहाज से, इस क्षेत्र में चीन, रूस और ईरान का सैन्य समागम वैश्विक सुरक्षा के संदर्भ में एक नई रणनीति का संकेत हो सकता है। चीन ने इस अभ्यास के लिए अपनी नौसेना के 47वें एस्कॉर्ट टास्क ग्रुप से बाओटौ नामक विध्वंसक और गाओयूहू नामक आपूर्ति जहाज भेजने का फैसला लिया है। बाओटौ एक गाइडेड मिसाइल विध्वंसक है, जबकि गाओयूहू आपूर्ति जहाज है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने इस अभ्यास के उद्देश्य को ऊर्जा शिपिंग मार्गों की सुरक्षा में मदद करना बताया है, जो खाड़ी के अहम जलमार्गों के लिए जरूरी है। यह अभ्यास चीन, रूस और ईरान के बीच सैन्य सहयोग और आपसी विश्वास को और गहरा करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। यह अभ्यास 2019 के बाद इन देशों के बीच पांचवां संयुक्त नौसैनिक अभ्यास होगा।

आतंकी संगठन होने के शक में बार्सिलोना पुलिस ने कई मस्जिदों में मारे छापे

बार्सिलोना। स्पेन के बार्सिलोना में बीती रात कई मस्जिदों पर आतंकवाद रोधी दस्ते ने छापेमारी की। सुरक्षाबलों ने यह कदम तब उठाया जब एक दिन पहले बार्सिलोना में ही 10 पाकिस्तानियों को आतंकवाद के आरोप में गिरफ्तार किया था। इन पर अपने विरोधियों की हत्या और सिर कलम करने के लिए उकसाने का आरोप है। जांच में पता चला कि संदिग्ध एक संगठित आपराधिक संगठन से जुड़े थे, जो मैसेजिंग ग्रुप के जरिए हिंसक आदेश जारी करते थे। बार्सिलोना में एक संगठन के खिलाफ एक बड़ा ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस और इतालवी पुलिस के संयुक्त अभियान में बार्सिलोना में 10 और इतालवी शहर पियासेंज़ा में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक यह समूह बहुत ही संगठित और गुप्त था और मैसेजिंग ऐप के जरिए से विरोधियों के खिलाफ हिंसक संदेश फैलाने में शामिल था। कुछ व्यक्तियों ने यूरोप में विशिष्ट लोगों को संभावित लक्ष्य के रूप में पहचानना शुरू कर दिया था। इसके अलावा उनके पोस्ट में उन व्यक्तियों की तारीफ की गई थी जिन्होंने ईशनिंदा के आरोप में यूरोप और पाकिस्तान में हमले किए थे। जांच में यह भी पता चला कि गिरफ्तार महिलाओं में से एक के नेतृत्व वाले मैसेजिंग समूह में केवल महिलाएं ही शामिल थीं। जांच अधिकारियों ने पुष्टि की है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति एक आतंकवादी संगठन से संबंधित हैं। गुरुवार 6 मार्च को, दस गिरफ्तार व्यक्तियों को केंद्रीय जांच न्यायालय संख्या 6 के समक्ष पेश किया गया।

नाटो से निकला अमेरिका तो कम होगा दबदवा, रक्षा उद्योग होगा अपंग

चीन और रुस के करीब जा सकता है यूरोप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद नाटो के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। ट्रंप के सबसे करीबी एलन मस्क ने हाल ही में नाटो और यूएन से निकलने का समर्थन किया था। गौरतलब है कि मस्क अकेले व्यक्ति नहीं हैं जो नाटो से निकलने की बात करते हैं। ट्रंप की पार्टी के कई सांसद भी संगठन से निकलने का समर्थन करते हैं। ट्रंप भी नाटो के यूरोपीय सदस्यों पर बजट का हिस्सा न देने का आरोप लगाकर भड़कते रहे हैं। अब सवाल है कि क्या ट्रंप नाटो छोड़ सकते हैं और अगर ऐसा होता है तब अमेरिका और दुनिया पर क्या असर होगा?

नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) की स्थापना 4 अप्रैल 1949 को हुई थी। अमेरिका के नेतृत्व में नॉटो को सोवियत संघ (यूएसएसआर) के बढ़ते प्रभाव और साम्यवाद के प्रसार को रोकने के लिए बनाया गया था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के देशों को डर था कि सोवियत संघ यूरोप में अपना प्रभुत्व बढ़ा सकता है।

लेकिन नाटो से बाहर निकलना अमेरिका के लिए आसान नहीं है। साल 2023 में सीनेटर टिम केन और मार्को रुबियो ने कानून लिखा, जिसमें कहा गया कि नाटो से निकलने का किसी भी राष्ट्रपति का निर्णय या तब दो-तिहाई सीनेट की मंजूरी या कांग्रेस के एक अधिनियम के जरिए अधिकृत होना चाहिए। 2024 में इस नियम को पारित किया गया। यह कानून राष्ट्रपति की ओर से एकतरफा फैसले को रोकता है। हालांकि कई जानकार कहते हैं कि कानून पूरी तरह ठोस नहीं है और अमेरिकी राष्ट्रपति इस कानून को दरकिनार कर सकते हैं। भले ही नाटो से निकलना अमेरिका के लिए मुश्किल है। लेकिन एक वक्त के लिए मान लेते हैं कि मस्क का मंसूबा कामयाब हो जाता है। तब दुनिया पर क्या असर होगा?

अगर अमेरिका नाटो से बाहर निकलता है, तब यह न केवल यूरोप के लिए बल्कि अमेरिका के लिए भी मुश्किलें खड़ी करेगा। अमेरिका नाटो की रीढ़ है, जो सबसे ज्यादा सैनिक, हथियार और धन मुहैया कराता है। अमेरिका के बिना नाटो किसी काम का नहीं रहेगा। रूस सीधे नाटो से भिड़ जाएगा। अमेरिकी यूनिवर्सिटी के अंतरराष्टीय संबंधों के प्रोफेसर और नाटो पर कई किताबों के लेखक का कहना है कि इसके परिणाम अराजक हो सकते है।

हेम्बर्ग में जर्मन एयरपोर्ट पर हड़ताल के कारण चारों ओर सन्नाटा नजर आ रहा।

नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रंप को सुना दी खरी-खरी, कनाडा कभी भी नहीं बनेगा अमेरिका का हिस्सा

ओटावा। कनाडा के नवनियुक्त प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पद संभालते ही सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप पर आग उगाते दिखाई दिए। अमेरिका राष्ट्रपति का नाम लिए बिना उन्होंने स्पष्ट किया है कि कनाडा कभी भी अमेरिका का हिस्सा बनना कबूल नहीं करेगा। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जबसे सत्ता में आए हैं, वे कनाडा पर हमलावर हैं। पहले उन्होंने टैरिफ की धमकी दी और अब उनका कहना है कि अमेरिका और कनाडा के बीच की सीमा का पुनर्निर्धारण होना चाहिए। जस्टिन ट्रूडो पर उनकी ही पार्टी के अविश्वास के बाद अब अर्थव्यवस्था के जानकार और ट्रूडो सरकार में ही मंत्री रहे चुके मार्क कार्नी को प्रधानमंत्री बनाया है।

कार्नी ने कहा कि लिबरल पार्टी एकजुट है और कनाडा के हित में पहले ही की तरह काम करने को तैयार है। कार्नी ने अपने पहले ही भाषण ट्रंप का नाम लिया बिना कहा कि देश को दुनिया का महान देश बनाया है और अब पड़ोसी चाहता है कि इसपर कब्जा कर ले। यह कभी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, अमेरिका हमारे संसाधनों का दोहन करना चाहता है। अमेरिका को हमारे पानी, भूमि और देश की जरूरत है। अगर वे सफल हो गए तब हम खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक संस्कृति को खत्म करने वाले पड़ाव पर आ खड़ा हुआ है। वहीं कनाडा विविधता का सम्मान करता है। कनाडा किसी भी रूप में अमेरिका का हिस्सा नहीं हो सकता।

बात दें कि कार्नी 'बैंक ऑफ कनाडा' के पूर्व प्रमुख हैं और 'बैंक ऑफ इंग्लैंड' में अहम पद पर सेवाएं दे चुके हैं, कहा जाता हैं कि इन अहम पदों पर रहने के कारण वह देश को आर्थिक चुनौतियों से बाहर निकालने में सफल रह सकते है। कार्नी ने कहा, 'कोई है जो हमारी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है।' उनका सीधा इशारा ट्रंप की तरफ था।

उन्होंने कहा, 'जैसा कि हम जानते हैं ट्रंप ने हमारे द्वारा बनाए गए उत्पादों, हमारे द्वारा बेची जाने वाली वस्तुओं और हमारे जीवनयापन के साधनों पर अनुचित शुल्क लगा दिए हैं। वह कनाडाई परिवारों, श्रमिकों और व्यवसायों पर हमला कर रहे हैं लेकिन हम उन्हें सफल नहीं होने दे सकते।' कार्नी ने कहा कि कनाडा तब तक जवाबी शुल्क लागू रखेगा जब तक अमेरिकी शुल्क को जारी रखता है।

स्पेनिश पुलिस ने एक महिला सहित 11 पाकिस्तानी कट्टरपंथियों को गिरफ्तार किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने जो कट्टरपंथ और आतंकवाद का जहरीला पौधा कभी रोपा था, वह अब एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है, जो धीरे-धीरे पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लेता जा रहा है। यह आतंकवादी संगठन न केवल पाकिस्तान को अस्थिर कर रहे हैं, बल्कि अब विदेशों में भी कोहराम मचा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला स्पेन में सामने आया है, जहां बार्सिलोना पुलिस ने एक महिला सहित 11 पाकिस्तानी कट्टरपंथियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों से सूचना मिली थी कि यूरोप और स्पेन में कुछ बड़े लोगों पर हमले की साजिश रची जा रही है।

इसके बाद स्पेनिश सुरक्षा एजेंसियों ने दो जगहों पर छापेमारी की और एक महिला सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया। ये सभी पाकिस्तान के कट्टरपंथी संगठन 'तहरीक-ए-लब्बैक' से जुड़े हुए हैं। पूछताछ में सामने आया हैं कि यह कट्टरपंथी संगठन ईशनिंदा के आरोपों को लेकर यूरोप और स्पेन में कई लोगों पर घातक हमले की योजना बना रहा था। इन हमलों का महिमामंडन करने की तैयारी भी चल रही थी।

इस मामले में गिरफ्तार महिला, जिसका नाम कुलसुम बताया गया है, ने 'टीएलपी सिस्टर्स' नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया था। ग्रुप में 40 लोग शामिल थे। ग्रुप में इस बात की डिटेल शेयर की जा रही थी कि आखिर हमला किसपर करना है और कब करना है? इस ग्रुप पर हमलों की योजना, तरीके और समय के बारे में जानकारी साझा की जा रही थी। स्पेनिश पुलिस के मुताबिक 38 साल की कुलसुम का पति पहले से ही जेल में है। पुलिस ने उनके ठिकानों से नकदी, हथियार और अन्य सामान बरामद किया है। यह घटना पाकिस्तानी कट्टरपंथियों की वैश्विक पहुंच और उनकी खतरनाक योजनाओं को उजागर करती है।

नौ देशों के पास 12000 एटम बम

न्यूयॉर्क। फेडरेशन ऑफ़ अमेरिकन साइंटिस्ट की रिपोर्ट के अनुसार नौ देशों के पास 12000 से अधिक एटम बम है। जिस तरह की स्थितियां वैश्विक स्तर पर बन रही हैं। उसके बाद घातक हथियारों को लेकर सारे देश एक दूसरे के बारे में जानने का प्रयास कर रहे हैं। यदि तृतीय विश्व युद्ध हुआ,तो किस तरह के हालात होंगे। सबसे ज्यादा एटम बम का हथियार रूस के पास है। रूस के पास 5044, अमेरिका के पास 500 चीन के पास 290 फ्रांस के पास 225 ब्रिटेन के पास 172 भारत के पास 170 पाकिस्तान के पास 90 इजरायल और उत्तर कोरिया के पास 50-50 एटम बम अधिकृत रूप से स्टोर में रखे होना बताया गया है। रूस ने 1710 और अमेरिका ने 1670 फ्रांस ने 290 परमाणु हथियारों को पहले से ही तैनात करके रखा है। भारत-पाकिस्तान और उत्तर कोरिया ने एटमी हथियार तैयार कर स्टोर में रखे हुए हैं।

आज का इतिहास 11 मार्च

1399 तैमूर ने वापसी में दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में लूट पाट की.

1845 न्यूजीलैंड में माओरी विद्रोह भड़का.

1917 प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिश फौजों ने बगदाद पर कब्जा किया.

1920 अमीर फैजल सीरिया के शासक बने.

1921 फ्रांस ने तुर्की के साथ संधि कर सिलेसिया पर अपना दावा छोड़ा.

1938 जर्मन फौजें आस्ट्रिया पहुंची.

1944 क्रिश्चियन डेमोक्रेट एडुअर्ड फ्रेई ने चिली के राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला.

1948 प्रथम आधुनिक जहाज जलउषा का जलावतरण किया गया.

1963 चितरंजन रेल कारखाने से पहला इंजिन बनकर बाहर निकला.

1975 द्वितीय विश्व युद्ध में ट्यूनिसिया पर जर्मनी के जवाबी हमले को ब्रिटेन ने नाकाम कर दिया.

1975 पुर्तगाल में सैन्य शासन को पलटने की नाकाम कोशिश हुई.

1987 सूडान प्रायोजित चाड और लीबिया शांति वार्ता टूट गई.

1988 चीन ने तिब्बती विद्रोहियों को समर्पण करने की चेतावनी दी.

1997 बासिक मफिनो अल्बानिया के प्रधानमंत्री बने.

2000 बिहार में राजद की नेता राबड़ी देवी ने 36 वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली.

2001भारत के पुलेला गोपीचंद ने आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप जीतनेवाले दूसरे खिलाड़ी बनें.

2001 क्रिकेटर हरभजन ने कोलकता में हुए टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ हैट्रिक बनाई.

2005 लक्ष्मी मित्तल विश्व के तीसरे सबसे बड़े अमीर व्यक्ति बने.

प्रसंगत: जनकल्याण की राह

एक बार अयोध्या के राजा रघु के दरबार में इस प्रश्न पर बहस चल रही थी कि राजकोष का उपयोग किन प्रयोजनों के लिए किया जाए? एक पक्ष का मत था कि सैन्य शक्ति बढ़ाई जाए ताकि न केवल अपनी सुरक्षा हो बल्कि राज्य के विस्तार की योजना भी आगे बढ़े। इस अभियान पर जो खर्च होगा उसकी भरपाई पराजित देशों से मिलने वाले संसाधनों से की जा सकेगी। दूसरे पक्ष का कहना था कि राजकोष प्रजा जन के हित में खर्च किया जाए ताकि उनका जीवन स्तर बढ़ सके। अगर सुखी, संतुष्ट, साहसी और सहृदय नागरिक हों तो देश समृद्ध होता है। इस प्रकार युद्ध करके नए क्षेत्र जीतने की अपेक्षा मैत्री का विस्तार कहीं अधिक लाभदायक है। उससे स्वेच्छया सहयोग और अपनत्व की ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होती हैं, जिनके कारण छोटा देश भी चक्रवर्ती स्तर का बन सकता है। दोनों पक्षों के तर्क चलते रहे। सबके मन में उत्सुकता थी कि आखिर राजा रघु क्या निर्णय देते हैं। जब सबने अपनी बात समाप्त की तब उन्होंने कहा, 'युद्ध पीढ़ियों से लड़े जाते रहे हैं। उनके कड़वे-मीठे परिणाम भी स्मृति पटल पर अंकित हैं। लेकिन इस बार युद्ध छोड़ दिया जाए और लोकमंगल को अपनाया जाए। देखते हैं क्या होता है। समस्त संपत्ति जनकल्याण की योजनाओं पर खर्च कर दी जाए।' कुछ सभासद दबे-छुपे इस निर्णय की आलोचना करने लगे। उन्हें अनिष्ट की आशंका सताने लगी। उधर रघु के निर्णय के मुताबिक विकास योजनाएं तेज कर दी गईं। धीरे-धीरे प्रजाजन हर दृष्टि से समुन्नत हो गए। आक्रमण की चर्चाएं समाप्त हो गई। सुख-शांति के समाचार पाकर अन्य देशों के समर्थ लोग वहां आकर बसने लगे। बंजर भूमि सोना उगलने लगी और अयोध्या में खुशहाली फैल गई।

दैनिक पंचांग

11 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

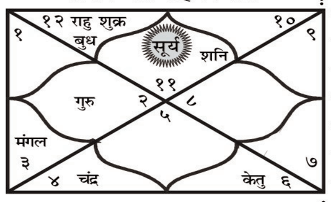

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.27 बजे से
चंद्र	कर्क में	मेष	07.57 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.37 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.36 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.49 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.05 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.17 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.28 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.42 ब.से
राहुकाल		धनु	00.58 बजे से
3.00 से 4.30		मकर	03.04 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.50 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 70 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 08.15 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 02.16 बजे रात्र को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 13.18 बजे को समाप्त। **करण** बालव 08.15 बजे तदनन्तर कौलव 20.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 03° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872280
जूलियन दिन 2460745.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान
तारीख 10
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

राशिफल

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, फाल्गुन शुक्ल पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम तिथि द्वादशी, मंगलवासरे, अश्लेषा नक्षत्रे, अतिगंड योगे, वालव करणे, कर्क की चंद्रमा, प्रदोष व्रत सर्वार्थ सिद्ध योग 50/58 उग्रकर्म मुहूर्त तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, सेक्शन ऑफिसर, धनी होगा।

मेष राशि: कार्य-कुशलता से संतोष तथा मनोबल उत्सावर्धक होगा, कार्य का ध्यान रखें।

वृष राशि: स्वभाव में खिन्नता होने से हीन भावना से बचिये अन्यथा झगड़ा होगा।

मिथुन राशि: अशांति तथा विलासिता से बचिये तथा विवाद होने की संभावना है सावधान रहें।

कर्क राशि: स्त्री वर्ग से भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, रुके कार्यों से परेशानी होगी, धैर्य रखें।

सिंह राशि: आलोचनाओं से बचिये, कार्य-कुशलता से संतोष होगा, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि: धीमी गति में सुधार अपेक्षित होगा तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला राशि: स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, शत्रु वर्ग से चिन्ता होगी, कुटुम्ब की समस्यायें खत्म होंगी।

वृश्चिक राशि: योजना फलीभूत होगी तथा इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, कार्य अवरोध होगा।

धनु राशि: मित्रों से सहयोग मिलेगा, रुके कार्य बनेंगे, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि: कुटुम्ब में सुख, मान-प्रतिष्ठा बड़ेगी, बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा।

कुंभ राशि: भाग्य का सितारा प्रबल होगा, दैनिक गति मंद तथा बिगड़े कार्य अवश्य बनेंगे।

मीन राशि: कार्य व्यवस्था में अनुकूलता बनेगी, समृद्धि के साधन अवश्य बनेंगे।

पीएल गौतमाचार्य // मोनिका

चाबहार पोर्ट के करीब पहुंच रहे ईरान, चीन और रुस के बेड़े

ओमान की खाडी में होने जा रहा संयुक्त नौसैनिक अभ्यास

चाबहार। ईरान का चाबहार पोर्ट भारत के लिए खास है। भारत इस ईरानी पोर्ट को अपने रणनीतिक और आर्थिक हितों के लिए विकसित कर रहा है। चाबहार पोर्ट इन दिनों फिर सुर्खियों में है। इस पोर्ट के पास ही ओमान की खाड़ी में एक अहम संयुक्त नौसैनिक अभ्यास होने जा रहा है। इस अभ्यास में चीन, ईरान और रूस के नौसेना समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

यह अभ्यास ऐसे वक्त हो रहा है जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ 'मैक्सिमम प्रेशर' की धमकी दी है और चीन पर ईरान और उत्तर कोरिया को मदद देने के आरोपों के साथ नए प्रतिबंध लगाने की बात कही है। इस परिस्थिति में, चीन, रूस और ईरान के बीच हो रहे इस अभ्यास को लेकर वैश्विक रणनीतिक विश्लेषकों की चिंता जताई है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि ईरान आखिर चीन और रूस के साथ मिलकर क्या रणनीति बना रहा है?

चाबहार पोर्ट स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ और भारतीय महासागर के बीच स्थित है। यह एक समुद्री रास्ता है, जो कच्चे तेल की शिपिंग के लिए अहम है। इस लिहाज से, इस क्षेत्र में चीन, रूस और ईरान का सैन्य समागम वैश्विक सुरक्षा के संदर्भ में एक नई रणनीति का संकेत हो सकता है। चीन ने इस अभ्यास के लिए अपनी नौसेना के 47वें एस्कॉर्ट टास्क ग्रुप से बाओटौ नामक विध्वंसक और गाओयूहू नामक आपूर्ति जहाज भेजने का फैसला लिया है। बाओटौ एक गाइडेड मिसाइल विध्वंसक है, जबकि गाओयूहू आपूर्ति जहाज है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने इस अभ्यास के उद्देश्य को ऊर्जा शिपिंग मार्गों की सुरक्षा में मदद करना बताया है, जो खाड़ी के अहम जलमार्गों के लिए जरूरी है। यह अभ्यास चीन, रूस और ईरान के बीच सैन्य सहयोग और आपसी विश्वास को और गहरा करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। यह अभ्यास 2019 के बाद इन देशों के बीच पांचवां संयुक्त नौसैनिक अभ्यास होगा।

आतंकी संगठन होने के शक में बार्सिलोना पुलिस ने कई मस्जिदों में मारे छापे

बार्सिलोना। स्पेन के बार्सिलोना में बीती रात कई मस्जिदों पर आतंकवाद रोधी दस्ते ने छापेमारी की। सुरक्षाबलों ने यह कदम तब उठाया जब एक दिन पहले बार्सिलोना में ही 10 पाकिस्तानियों को आतंकवाद के आरोप में गिरफ्तार किया था। इन पर अपने विरोधियों की हत्या और सिर कलम करने के लिए उकसाने का आरोप है। जांच में पता चला कि संदिग्ध एक संगठित आपराधिक संगठन से जुड़े थे, जो मैसेजिंग ग्रुप के जरिए हिंसक आदेश जारी करते थे। बार्सिलोना में एक संगठन के खिलाफ एक बड़ा ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस और इतालवी पुलिस के संयुक्त अभियान में बार्सिलोना में 10 और इतालवी शहर पियासेंज़ा में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक यह समूह बहुत ही संगठित और गुप्त था और मैसेजिंग ऐप के जरिए से विरोधियों के खिलाफ हिंसक संदेश फैलाने में शामिल था। कुछ व्यक्तियों ने यूरोप में विशिष्ट लोगों को संभावित लक्ष्य के रूप में पहचानना शुरू कर दिया था। इसके अलावा उनके पोस्ट में उन व्यक्तियों की तारीफ की गई थी जिन्होंने ईशनिंदा के आरोप में यूरोप और पाकिस्तान में हमले किए थे। जांच में यह भी पता चला कि गिरफ्तार महिलाओं में से एक के नेतृत्व वाले मैसेजिंग समूह में केवल महिलाएं ही शामिल थीं। जांच अधिकारियों ने पुष्टि की है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति एक आतंकवादी संगठन से संबंधित हैं। गुरुवार 6 मार्च को, दस गिरफ्तार व्यक्तियों को केंद्रीय जांच न्यायालय संख्या 6 के समक्ष पेश किया गया।

जबेरा कृषि विभाग में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का हुआ शुभारंभ

दमोह। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय जबेरा में सोमवार को मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का शुभारंभ राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के पिताश्री भाव सिंह लोधी की अध्यक्षता एवं सांसद प्रतिनिधि रूपेश सेन, मंडल अध्यक्ष कृष्णकांत बंटी दुबे, मंडल अध्यक्ष मंनदीप यादव, मंडल अध्यक्ष सतपाल सिंह लोधी, महामंत्री रानू नामदेव, भाई साहब पटेल, प्रगतिशील कृषक चंद्रभान सिंह लोधी, श्रीमती सोनम मेहरा, मिलन मिश्रा एवं अनेकों कृषकों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन कर दिया गया उसके पश्चात प्रगतिशील कृषकों का सम्मान उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के पिताश्री भाव सिंह लोधी ने कहा कि आज कृषि विभाग जबेरा में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का शुभारंभ किया गया है जिसका लाभ हमारे क्षेत्र के कृषकों को उठाना चाहिए और कृषि में नई-नई पद्धतियां अपना कर कृषि को लाभदायक बनायें सरकार किसानों के हित में निरंतर कार्य कर रही है ताकि हमारे किसान समृद्धशाली और खुशहाल रहे। इस दौरान वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरेंद्र सिंह ठाकुर ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि मृदा प्रयोगशाला के माध्यम से कृषक अपने खेत से मृदा नमूना लाकर उसकी निशुल्क जांच करवा सकते हैं और जांच के माध्यम से कृषक अपने खेत की मिट्टी में उपस्थित विभिन्न पोषक तत्वों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही मृदा प्रयोगशाला के माध्यम से कृषकों को उसके लाये गए नमूना के आधार पर मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किया जाएगा और मृदा स्वास्थ्य कार्ड में कृषकों के खेत की मिट्टी में उपस्थित तत्वों के आधार पर कृषक अपने खेत पर फसलों का चयन करके उचित दर पर उर्वरकों का प्रयोग कर सकता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पत्रकार नारायण शर्मा, मयंक जैन, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरेंद्र सिंह ठाकुर, कृषि विस्तार अधिकारी रितेश सिंह, कृषि विस्तार अधिकारी दिनेश पटेल, कृषि विस्तार अधिकारी दीपक पटेल, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी मोनिका अग्निहोत्री, कृषि विस्तार अधिकारी प्रिंस कुमार जैन, अमित परमार, बीटीएम श्रीकांत साहू, मुकेश पटेल सहित अनेकों कृषकों की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

मुनि संघ के सानिध्य में सगरा में सिध्द चक्र महामंडल विधान का आयोजन

दमोह। ग्राम सगरा में अष्टान्हिका पर्व में चल रहे सिद्धचक्र महामंडल विधान में अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, मुनि श्री के प्रवचन एवं शाम को सांस्कृतिक संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी के शिष्य मुनि श्री 109 प्रबुद्ध सागर जी महराज के मुखारविंद के मंगलमय प्रवचन प्रतिदिन हो रहे हैं जिसमें सभी को धर्म लाभ हो रहा हैं। मुनि श्री अपने प्रवचन में कहा कि गृहस्थों के द्वारा जीवन काल में किए गए ज्ञात अज्ञात पापों के प्रायश्चित की शुद्धि सिद्धचक्र विधान से होती हैं। यह पाप निवारक महा अनुष्ठान हैं, भगवान की भक्ति में कर्म निर्जरा की आमोख शक्ति हैं पाप के छय का और पुण्य के संचय का यह अभिनव योग है। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान का अभिषेक पूजन शांतिधारा से किया गया जिसमें शांतिधारा का सौभाग्य मानकचंद जैन धर्मेंद्र जैन अहमेंद्र जैन परिवार एवं द्वितीय शांति धारा जयकुमार जैन, संदीप जैन, प्रदीप जैन 卐निराला卐, मानस जैन परिवार को प्राप्त हुआ। सायं काल भगवान की महाआरती का सौभाग्य दयाचंद जैन परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का कुशल निर्देशन बाल ब्रह्मचारी सुमत भैया भोपाल के द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में कोदू लाल जैन मानक जैन दयाचंद जैन, जयकुमार जैन जिनेश जैन देवेंद्र, अनिल जैन सोनू जैन पिंटू जैन, कमलेश जैन आदि सभी सगरा रिछई समाज की उपस्थिति रही साथ हीरोड, परस्वाहा, बनवार, जबेरा नोहटा दमोह, जबलपुर, भोपाल, इंदौर की समाज के व्यक्तियों की सहभागिता रही।

भारतीय जनता पार्टी की बैठक आज

सागर! मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया है जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया की जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी की अध्यक्षता में दोपहर 02 बजे से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है बैठक में महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर निगम अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष नगर पंचायत अध्यक्ष गण एवं आपेक्षित पदाधिकारी शामिल होंगे बैठक में 卐वन नेशन वन इलेक्शन卐 सहित अन्य विषयों पर चर्चा होगी!

राहतगढ़ मंडल का आज फाइनल महामुकाबला, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत कलेक्टर संदीप जी आर और एस पी विकास कुमार सहवाल होंगे शामिल

सागर। सुरखी विधानसभा में चल रहेमंत्री क्रिकेट महाकुंभ के तहत राहतगढ़ मंडल का फाइनल महामुकाबला मंगलवार को राहतगढ़ के सरदार वल्लभ भाई पटेल स्टेडियम में खेला जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और कलेक्टर संदीप जी आर, पुलिस अधीक्षक विकास कुमार सहवाल शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

गौरतलब है कि सुरखी विधानसभा में पिछले ढाई महीने से चल रहे इस महाकुंभ में 550 से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया है। यह प्रतियोगिता पहले दो बार अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपना नाम दर्ज करा चुकी है।

युवा शक्ति संगठन के सदस्य आकाश सिंह राजपूत ने बताया कि राहतगढ़ में 200 से ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया था। फायनल महामुकाबला की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मंगलवार को होने जा रहे फायनल मैच में राहतगढ़ नगरीय से फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब और ग्रामीण टीम से झिला आर डी एक्स क्रिकेट टीम के बीच मुकाबला होगा। विजेता और उपविजेता टीमों को मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

दामोदर रोपवे को मंदिर प्रबंधन समिति दिखाए बाहर का रास्ता

मैहर। मां शारदादेवी के दर्शन दर्शनार्थियों को सुगम से हों इस उद्देश्य से मैहर की पहाड़ी में लगाया गया रोपवे भ्रष्टाचार की कमाई का जरिया ज्यादा बनकर सामने आया है। इससे सबसे अधिक नुकसान मां शारदादेवी मंदिर प्रबंध समिति को हुआ है। श्रद्धालुओं के लिए दर्शन को सरल बनाने के इरादे से करीब 17 साल पहले लगाया गया मोनो केबल रोपवे बेईमानी की बुनियाद पर है। कलकत्ता की दामोदर रोपवे एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और शारदा प्रबंध समिति मैहर के बीच अनुबंध के तहत बाई केबल रोपवे लगाया जाना था। किंतु उसने तत्कालीन अधिकारियों की मिली भगत से मोनो केबल रोपवे में परिवर्तित कर दिया। इस तरह रुपए को सीधे लाभ पहुंचाया गया। जबकि बाई केबल रोपवे लगने से एक केबिन में 6 लोगों को बैठने की व्यवस्था का लाभ मिलता। इतना ही नहीं मां शारदा प्रबंध समिति की किराएदार दामोदर रोपवे शासन द्वारा नियुक्त समिति पदाधिकारियों की उपेक्षा, उनको अपमानित करना, और उनके साथ दुर्व्यवहार करना यह सब रोपवे प्रबंधन के लिए आम बात हो गई है। दामोदर रोपवे द्वारा की जा रही मनमानी और वित्तीय अनियमिताओं की जांच कराने हेतु समिति सदस्य तारकेश्वर तिवारी द्वारा हाईकोर्ट जबलपुर में याचिका दायर की गई थी जहां की उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा रीवा कमिश्नर को रोपवे की जांच करने हेतु निर्देशित किया गया। रीवा कमिश्नर ने जांच टीम गठित कर रोपवे की जांच कराई गई जहां की व्यापक गड़बड़ियां सामने आई है। रीवा कमिश्नर द्वारा दिनांक 31 जनवरी 2025 को किए गए आदेश में लेख किया है कि सितंबर 2009 से अगस्त 2015 तक की वास्तविक आय एवं सितंबर 2009 से अगस्त 2021 तक वास्तविक अनुमत्य व्यय की जानकारी रोपवे प्रबंधन द्वारा जांच दल को उपलब्ध नहीं कराई गई जिससे उद्यमी का वास्तविक लागत पे आउट पीरियड का निर्धारण संभव नहीं हुआ। रीवा कमिश्नर ने आदेश में यह भी कहा है कि कैशफ्लो के माध्यम से यह बताया गया है कि माह जुलाई 2023 की स्थिति में रोपवे प्रबंधन की निवेशित राशि की वसूली 1697 लाख बकाया है। रुपए 7.50 करोड़ की निर्माण लागत के विरुद्ध लगभग 80 करोड़ आय होने जिसमें से मंदिर समिति को मात्र 19.61 करोड़ रॉयल्टी प्रदान की गई। शेष राशि रुपए 60 करोड़ स्वयं रखने के बावजूद भी लागत वसूली हेतु 17 करोड़ बकाया दर्शाया जाना वास्तविकता से अत्यंत परे है। इस तरह दामोदर रोपवे द्वारा मंदिर समिति को गुमराह कर आर्थिक क्षति पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। मंदिर प्रबंधन समिति को अब जनहित को सर्वोपरि मानते हुए तथा समिति की आय को बढ़ाने के लिए उसे यह सोचना होगा कि दामोदर रोपवे कलकत्ता की कंपनी को हटाकर नए टेंडर कराए और किसी अन्य साफ सुथरी छवि वाली कंपनी को यह दायित्व सौंपे। क्योंकि दामोदर रोपवे कम्पनी मैहर में काफी बदनाम हो चुकी है।

आचार्य श्री समयसागर जी का मंगल विहार सतना से कुंडलपुर की ओर हुआ

दमोह। युग श्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य आचार्य श्री समय सागर जी महाराज का मंगल विहार श्री नेमीश्वर धाम विद्या ज्योतिर्मय तीर्थ क्षेत्र सतना से ससंघ (14 मुनिराज 9क्षुल्लक जी महाराज) का आज प्रातः मंगल विहार हुआ। आचार्य संघ की विहार दिशा संभावित पूज्य बड़े बाबा की नगरी कुण्डलपुर की ओर बताई जा रही है। आचार्य संघ की आहारचर्या डीएमडी रिसॉर्ट नागौद रोड सतना में संपन्न हुई ज्ञात हो कि आचार्य श्री को कुण्डलपुर ससंघ पधारने का निवेदन 5 मार्च को कुण्डलपुर क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष चंद्र कुमार सराफ ने सतना जाकर श्रीफल अर्पित कर किया था। पुनः कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारी इंजी. आरके जैन, अजित कण्डया ,अमर सेठ, विजय डायमंड आदि ने सतना पहुंचकर श्रीफल अर्पित कर निवेदन किया। आचार्य श्री ससंघ का सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में मंगल पदार्पण हो, ग्रीष्म कालीन वाचना हो ऐसी मंगल भावना सकल दमोह जिला जैन समाज, कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी एवं समस्त क्षेत्र वासियों की है।

विश्व महिला दिवस निमित्त महिला उत्थान मंडल द्वारा संत श्री आशारामजी बापूजी की ससम्मान रिहाई के लिए जिला कलेक्टरेट पहुँच कर महामहिम राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

दमोह। महिला मंडल की कविता जी ने कहा कि संस्कृति के आधारस्तम्भ संत-महापुरुष समय-समय पर भारत-भूमि पर अवतरित होते रहे हैं लेकिन आज निर्दोष संस्कृति रक्षक पूज्य बापूजी जैसे संतों को झूठे आरोपों के तहत फँसाया जा रहा है। पिछले 50 वर्षो से बापूजी सतत संस्कृति व समाज उत्थान की सेवा करते आए है आज उनकी संस्कृति रक्षा की सेवाओं को देख उनकी ससम्मान रिहाई हो इस हेतु महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। मालती वाजपेयी जी ने कहा कि 'संत श्री आशारामजी बापूजी ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक कार्य किये हैं। महिलाओं में आत्मबल, आत्मविश्वास, साहस, संयम-सदाचार के गुणों को विकसित करने के लिए महिला उत्थान मंडलों का गठन किया है, जिससे जुड़कर कई महिलाएँ उन्नत हो रही हैं। भरत जी ने कहा पूज्य बापूजी ने संस्कृति-रक्षा, संयम-सदाचार एवं ब्रह्मविद्या, गीता भागवतके प्रचार-प्रसार में अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया। मातृ-पितृ पूजन दिवस, तुलसी पूजन दिवस का आरम्भ कर भारतीय संस्कृति के उच्च आदर्शों को पुनर्जीवित किया है। उनकी ससम्मान रिहाई हो इसलिए ज्ञापन दिया जा रहा है। इस मौके पर किरन ठाकुर, मालती वाजपेयी, गीता त्रिवेदी, कविता चंदानी, भावना छत्तानी, महक, नैना, दिव्या, निर्मल त्रिवेदी, सुधीर सोनी, भरत, दिनेश, उमेश आदि उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट विद्यालय में बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन के प्रथम चरण का प्रशिक्षण संपन्न

दमोह। उत्कृष्ट विद्यालय में 13 मार्च से शुरू होने वाले हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन के लिए प्रथम चरण का एकदिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में भोपाल से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स, प्राचार्य एवं मूल्यांकन अधिकारी संजय दुबे ,शैलेंद्र दुबे मनीष कुमार नेमा कामिनी अहिरवाल ने मूल्यांकनकर्ताओं को आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान किए। दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ शुभारंभ। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई। इसके पश्चात द्वारा सभी मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल से प्रदत्त लिंक पर विमर्श पोर्टल पर पंजीयन किया गया। इस प्रशिक्षण में हिंदी, अंग्रेजी और विषय के प्रशिक्षणार्थी सम्मिलित हुए प्राचार्य संजय दुबे ने मूल्यांकन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्देश दिए। दुबे ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य है मूल्यांकनकर्ता उत्तर पुस्तिकाओं का निष्पक्ष एवं सटीक मूल्यांकन करें, ताकि छात्रों को उनकी मेहनत का न्यायोचित परिणाम मिल सके। मास्टर ट्रेनर मनीष कुमार नेमा शैलेंद्र दुबे एवं कामिनी अहिरवाल के द्वारा परीक्षकों की जिम्मेदारियों, मुख्य परीक्षक, उपमुख्य परीक्षक, सुपरवाइजर आदि की भूमिकाओं को स्पष्ट किया गया। रुब्रिक्स का पालन अनिवार्य मनीष कुमार नेमा ने मूल्यांकन में आने वाली चुनौतियों एवं उनके समाधान पर प्रकाश डाला। वहीं, शैलेंद्र दुबे ने रुब्रिक्स के सही अनुपालन के साथ मूल्यांकन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। अंत में प्रदीप कुमार जैन ने सभी प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया और इस एकदिवसीय प्रथम चरण के प्रशिक्षण का विधिवत समापन हुआ।

महिला दिवस कल्याणी विवाह एवं सम्मान समारोह का आयोजन

मैहर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वेच्छिक संगठन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद मैहर के तत्वाधान में दीप्ति सिंह नवदीप समृद्धि जन कल्याण समिति एवं प्रेमलता शुक्ला मां नारायणी महिला मंडल की सहभागिता से सरना पैलेस में आयोजित किया गया। नवदीप समृद्धि जन कल्याण समिति की संचालिका श्रीमती दीप्ति सिंह का अनेक सामाजिक कार्यों जैसे पतंजलि महिला योग समिति की प्रभारी जो कि मैहर नगरी को योग के लिए जागरूक किया। अनेकों समाज कार्य विगत कई वर्षों से कर रही है। गरीबों को वस्तदान अभियान, भोजन के लिए मां की रसोई अभियान एवं मैहर को स्वच्छ बनाने का अभियान आदि सभी कार्यों में अग्रिम प्रयास किया। साथ ही शैक्षणिक स्तर पर सेमरॉक नवदीप स्कूल के छात्रों को जो संस्कार दिया जा रहा है वह भी सराहनीय है। इस उपलक्ष्य में महिला दिवस पर मातृशक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कल्याणी विवाह अंतर्गत हेमा प्रभुदयाल धनवाही प्रजापति समाज के जोड़े का विवाह किया गया। उक्त आयोजन में शैक्षिक संगठन का नेतृत्व दीप्ति सिंह, सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन प्रेमलता शुक्ला, कल्पना सिंह, अरविंद गर्ग, रोहित द्विवेदी, शिवकुमार पटेल, नवांकुर संस्था, सेवावाहिनी अतुल वर्मा, अजय गुप्ता एवं भानुप्रताप सिंह का सहयोग रहा। विवाह में स्वस्ति वाचन पंडित राकेश शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं व्यवस्था परिवार परामर्श कॉउंसलर तथा सेवावाहनी के संचालक मनोज शुक्ला द्वारा की गई।

मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी को जीवित इकाई घोषित किया जाए: राज्यसभा सांसद

(आरती मालवीय)

नर्मदापुरम। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने दिल्ली में सदन के माध्यम से अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने ध्यान आकर्षित करते हुए सदन में कहा कि नर्मदा नदी केवल एक जलधारा नहीं बल्कि मध्यप्रदेश और गुजरात के करोड़ों लोगों की जीवनरेखा है। यह नदी प्रदेश के 16 जिलों से होकर बहती है और इसकी जलधारा पर लाखों किसान, श्रद्धालु एवं स्थानीय समुदाय निर्भर हैं। मैं सरकार द्वारा नदियों की सफाई और संरक्षण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की सराहना करती हूँ। नमामि गंगे कार्यक्रम और विभिन्न राज्य स्तरीय नदी पुनर्जीवन पहल ने पर्यावरण संतुलन बहाल करने और स्वच्छ जल संसाधनों को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हालाँकि मैं इस सदन का ध्यान मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी की गंभीर स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। मध्य भारत की जीवनरेखा मानी जाने वाली यह नदी अत्यधिक रेत खनन, वनों की कटाई और अनियंत्रित प्रदूषण के कारण संकट में है। राज्य सरकार द्वारा नर्मदा सेवा मिशन के तहत सराहनीय कदम उठाए गए हैं, लेकिन पर्यावरण कानूनों को सख्ती से लागू करने, सतत जल प्रबंधन और जनसहभागिता को बढ़ावा देने की अत्यधिक आवश्यकता है।

इसी तर्ज पर, मैं सरकार से माँग करती हूँ कि मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी को जीवित इकाई घोषित किया जाए। जिससे इसकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस कदम से नर्मदा का प्राकृतिक प्रवाह, उसकी जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत को बचाने में मदद मिलेगी। मैं सरकार से आग्रह करती हूँ कि वह इस पवित्र नदी को जीवित करने के लिए अधिक संसाधन आवंटित करे और एक समग्र पुनर्जीवन योजना लागू करे, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए इसका प्रवाह सुनिश्चित किया जा सके।

» न्यूज कैप्सूल »

कांग्रेस नेता पर चाकू से हमला

कटनी। होली को लेकर पिछले कुछ दिनों से पुलिस द्वारा पैदल मार्च करते हुए असामाजिक तत्वों पर पैनी निगाह रखी जा रही है और बदमाशों को थाने बुलाकर अपराध नहीं करने की समझाईश दी जा रही है। इसके बाद भी अपराधों पर लगाम नहीं लग रही। बदमाशों द्वारा खुलेआम अपराधिक वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है लेकिन ऐसा लगता है कि पुलिस की हिदायतों का बदमाशों पर कोई असर होता नहीं दिख रहा है। बदमाशों पर पुलिस का खौफ नहीं दिख रहा है। बदमाश पुलिस की कॉंबिंग गश्त को चुनौती देते हुए संगीन वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

पुरानी बुराई को लेकर वारदात

ऐसी ही एक वारदात आज सोमवार की सुबह एनकेजे थाना क्षेत्र के अंतर्गत बजरिया में घटित हुई, जहां क्षेत्र की वार्ड पार्षद श्रीमती फमीदा अहमद के पति कांग्रेस नेता आफताब अहमद चोखे भाई पर एनकेजे बजरिया में जितेंद्र वंशकार नामक युवक ने किसी बात से मना करने चाकू से हमला कर दिया। चाकू के हमले में चोखे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में बताया जाता है कि कांग्रेस नेता आफताब अहमद चोखे भाई रोजाना की तरह कल सुबह भी वार्ड के भ्रमण पर थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर चोखे भाई ले वहीं रहने वाले जितेन्द्र वंशकार नामक युवक को मना किया, जिससे वह ओजित हो गया और उन पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे चोखे भाई को गर्दन सहित शरीर के अन्य हिस्सों में सांघेतिक चोटें आई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। जिले में पुलिस पिछले कुछ दिनों से होली पर्व को लेकर पैदल मार्च करते हुए असामाजिक तत्वों पर निगाह रख रही है और तत्व खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। बताया जाता है कि चोखे भाईजान को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इनका कहना है

एनकेजे बजरिया में आज सुबह आरोपी जितेन्द्र वंशकार ने पुरानी बुराई को लेकर चोखे भाई पर हमला किया है, जिससे वह घायल हो गए। घटना की खबर मिलने के बाद आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया है और मामला दजर्ज करते हुए जांच की जा रही है। – अनिल यादव, थाना प्रभारी एनकेजे

मध्यांचल ग्रामीण बैंक के पेंशनर्स आंदोलन की राह पर

सागर। मध्यांचल ग्रामीण बैंक के पेंशनर दिनांक 12-03-2025 को बैंक के प्रधान कार्यालय से समक्ष अपनी वैधानिक मांगों हेतु एक दिवसीय धरना देंगे। मध्यांचल ग्रामीण बैंक पेंशनर्स समन्वय समिति के अध्यक्ष श्री अरविंद तिवारी द्वारा बताया गया कि बैंक प्रबंधन की मनमानी के चलते बैंक के पेंशनर्स को आंदोलन हेतु मजबूर होना पड़ा है। ज्ञातव्य है कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा ष्टक्ष्ट क्रमांक ्रूप954/2018, 1798/2018, 1800/2018 में दिये गये अन्तरिम आदेश के अंतर्गत वित्त मंत्रालय के आदेश के अनुसार बैंक के सभी सेवानिवृत्तों को पेंशन स्वीकृत की जाना है एवं दिनांक 01-11-1993 के एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि कंप्यूटर इंक्रीमेंट के रूप में सभी सेवायुक्तों को प्रदाय की जाना है। वित्त मंत्रालय द्वारा इसे अक्षरशः लागू किये जाने के आदेश के बावजूद बैंक द्वारा उपरोक्त आदेशों की मनमानी व्याख्या कर इसे आधे अधूरे रूप लागू किया किया गया है जिसके कारण अनेक सेवानिवृत्त इस लाभ से वंचित हैं। इसके लिये बैंक को अनेकों बार लिखित एवं मौखिक रूप से सूचित किये जाने बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई न ही कोई मान्य प्रतिउत्तर दिया गया है। इसके अलावा अनुकंपा नियुक्तियों के भी अनेक आवेदन अत्यंत लंबे समय से लंबित है कई आवेदन बगैर किसी ठोस आधार के निरस्त कर दिये गये हैं। अनेक सेवायुक्तों के वैधानिक क्लेम अनावश्यक रोक कर रखे गये हैं जिसका कोई कारण सूचित नहीं किया गया है। संशोधित पीपीओ, एवं एरियर के गणना पत्रक प्रदाय नहीं किये जा रहे हैं। वित्त मंत्रालय एवं नाबार्ड के आदेशानुसार पेंशनर्स ग्रीवान्सेस सेल का विधिवत गठन नहीं किया गया है जिसके कारण अनेक ब्यक्तिगत ग्रीवान्सेस विगत 6 माह से निराकरण हेतु लंबित है।

श्री तिवारी द्वारा बताया गया कि एक दिवसीय धरना से यदि बैंक प्रबंधन नहीं चेता तो आगे बैंक प्रबंधन के विरुद्ध अनवरत धरना दिया जायेगा।

हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना कर रहा प्रशासन

सिविल लाइन को अतिक्रमण मुक्त कराने भाजपा नेता ने लगाई याचिका

कटनी। शहर में नगर निगम प्रशासन इतना आराम पसंद हो चुका है कि लोगों की पीड़ा से उसे कोई सरोकार पहले भी नहीं था और अब भी नहीं है। लेकिन न्याय पालिका के आदेशों को भी नगर निगम अनसुना करेगा ऐसी उम्मीद नहीं थी। दरअसल शहर के सिविल लाईन क्षेत्र में अवैध इंडस्ट्रीज एवं अवैध पार्किंग और अवैध अतिक्रमण से शहरी लोगों का जीना दुश्वार है। अच्छी खासी चौड़ी सड़कों पर अतिक्रमण होने से सड़के सिकुड़ गई हैं और आवागम बेहद कष्ट दाई हो गया है।

ऐसी ही पीड़ा का सामना जब जिले के भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष शैलेश कन्हैया तिवारी का हुआ तो उनके समझ में आ गया कि समस्या जानलेवा भी बन सकती है। भाजपा नेता कन्हैया तिवारी तब जाम में फंसे, जब उनकी माता का स्वास्थ्य खराब था और उन्हें अस्पताल जाना था। उन्होंने देखा कि सड़क पर दोनों ओर नाले के ऊपर दो से तीन फिट कब्जा कर पक्का निर्माण कर लिया गया है और सड़क सिकुड़ गई है। घरों के बाहर सड़क पर कार खड़ी हैए रिहायशी इलाके का व्यावसायिक उपयोग हो रहा है। अवैध पार्किंग और अवैध अतिक्रमण से सड़क छोटी हो चुकी है और हर पल जाम लग रहा है। यह सब किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष शैलेश कन्हैया तिवारी के सिविल लाइन स्थित पैतृक मकान के आसपास की स्थिति है जबकि पूरे शहर में यही आलम है। उन्होंने तत्काल सीएम हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत कर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग हटाने शिकायत दर्ज कराई लेकिन उसका कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को लिखित शिकायत की। फिर भी नगर निगम ने कोई एक्शन नहीं लिया। हद तो तब हुई जब उन्होंने माननीय उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की और जबलपुर हाईकोर्ट ने 4 हफ्ते में अवैध पार्किंग और अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया फिर भी कटनी का नगर निगम प्रशासन कोर्ट के आदेश की भी अवमानना करने से नहीं चूका।

सांस लेना मुश्किल

सिविल लाईन क्षेत्र में स्टील इंडस्ट्रीज के कारोबारियों ने सड़कों पर कब्जा कर आवागमन को बाधित कर रखा है । इतना ही नहीं क्षेत्रवासियों का कहना है कि इधर दिन भर होने वाली स्प्रे पेंट की दुर्गंध से सांस लेना भी दुस्वार हो गया है। इस एरिया में अस्पताल एवं स्कूल के साथ आंगनबाड़ी एवं राशन दुकान जैसे सार्वजनिक प्रतिष्ठान स्थित है, जिससे आवागमन के साथ-साथ स्वास्थ्य से भी खिलवाड़ किया जा रहा है।

एन एस एस छात्रा इकाई द्वारा वर्ल्ड ग्लूकोमा सप्ताह के अंतर्गत नेत्र परीक्षण का आयोजन

पिपरिया। महाविद्यालय की एन एस एस छात्रा इकाई द्वारा वर्ल्ड ग्लूकोमा सप्ताह के अंतर्गत नेत्र परीक्षण का आयोजन किया गया। वही शाम को शिव जी की बारात की बारात निकाली गई। वर्ल्ड ग्लूकोमा सप्ताह के अंतर्गत शहीद भगत सिंह की एन एस एस छात्रा इकाई द्वारा नेत्र परीक्षण का आयोजन किया गया। इस मौके पर शासकीय अस्पताल से नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ श्याम सोडानी ने छात्राओं का नेत्र परीक्षण किया। इसके साथ-साथ ग्लूकोमा क्या होता है और इससे कैसे बचा जा सकता है। इसकी जानकारी प्रदान की। सात दिवसीय विशेष शिविर बीजनवाड़ा पंचायत भवन मे आयोजित किया जा रहा है । जिसमे बौद्धिक सत्र मे डॉ श्याम सोडणी ने आँखों के व्यायाम सिखाए एवं आँखों मे उत्पन्न होने वाले विभिन्न संक्रमण की जानकारी साझा की । इस सत्र में नीलम पचौरी एवं श्वेता पचौरी ने भी शिरकत की। इस मौके पर श्रीमती पचौरी ने एक महिला के जीवन मे आने वाले कठिन रास्तों के बारे मे चर्चा की। इसी कड़ी मे श्वेता पचौरी ने अपनी काबिलियत पर भरोसा करते हुए अपनी पहचान बनाने के ऊपर जोर डाला। कार्यक्रम मे समस्त एनएसएस स्वयं सेवक ने सहभागिता दी। वही शाम को बीजनवाडा ग्राम में स्वयं सेवक छात्राओं द्वारा शिवजी की बारात और विवाह का आयोजन किया गया।

नगर में 17 जगह होगा होलिका दहन

नगर में 17 जगह होगा होलिका दहन

आगामी पर्व होली,रमजान आदि को लेकर शांति समिती की बैठक हुई

पिपरिया। नगर के मंगलवारा पुलिस थाना प्रागंण में आगामी पर्व होली,रमजान,हनुमान जयंती को शांति पूर्वक मनाए जाने को लेकर शांति समिती की बैठक आयोजित की गई। जिसमें वोर्ड परीक्षा के चलते डीजे को तेज आवाज में बजाने हेतू प्रतिबंधित्त किया गया है। बैठक में एसडीएम अनीशा श्रीवास्तव ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया एवं त्योहारों पर नगर की कानून व्यवस्था से संबंधित दिशा निर्देश दिए। त्योहारों को शांति पूर्ण तरीके से मनाने के लिए आम नागरिकों से सहयोग की अपील की गयी। साथ ही नागरिकों को प्रशासन की तैयारियों के बारे में अवगत कराया गया । साथ ही जनता से भी त्यौहार शांति पूर्ण तरीके से मनाने एव किसी प्रकार का वाद-विवाद न करने,शराब पीकर वाहन न चलाने, तेज आवाज़ मे डीजे न बजाने और अनावश्यक रूप से किसी को रंग न लगाने की अपील की गयी। शांति समिति की बैठक एसडीएम अनीशा श्रीवास्तव, तहसीलदार वैभव वैरागी, मंगलवारा थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी,थाना प्रभारी स्टेशन रोड विजय सनस,सीएमओ नगर पालिका रवि प्रकाश नायक, बीएमओ डॉ रिचा कटकवार, रूपेश मौर्य, अरविंद राय, बिजली विभाग सहित सभी धर्मो से गणमान्य नागरिक बैठक मे शामिल हुए।

आगामी त्योहारों को समरसता , सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के साथ मनाएं: कलेक्टर

कलेक्टर की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक संपन्न

कटनी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में सोमवार को कार्यालय कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न शांति समिति की बैठक में जिले के नागरिकों से आगामी त्यौहार होलिका-दहन, होली, परीवा, भाई दूज, नवरात्रि बैठकी, ईद-उल-फितर एवं नवरात्रि जवारा विसर्जन का पर्व गौरवशाली परंपरा के अनुरूप मनाने के साथ ही समरसता, शालीनता, सौहार्द और शांतिपूर्ण ढंग से रंगों का त्यौहार होली बनाने की अपील की गई है। इस मौके पर अपील की गई है कि केवल गुलाल और हर्बल रंग के साथ होली खेली जाये और किसी भी प्रकार की मिट्टी या कीचड़ का उपयोग नहीं हो।

बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन, अपर कलेक्टर साधना परस्ते, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डहरिया, डिप्टी कलेक्टर विवेक गुप्ता, एसडीएम प्रदीप कुमार मिश्रा, आयुक्त नगर निगम नीलेश दुबे, कार्यपालन यंत्री लोकनिर्माण विभाग शारदा सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, सभी पुलिस थानों के टीआई और शांति समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

शांति समिति की बैठक में कलेक्टर श्री यादव ने बताया कि होली के अवसर पर कानून और शांति व्यवस्था बनाये रखने और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिये विभागों के अधिकारियों को दायित्व निर्वहन के लिये ड्यूटी आदेश जारी किये जा रहे है। उन्होने बताया कि होली के दिन शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। बच्चों की परीक्षाओं के मद्देनजर डीजे बजाने और लाउडस्पीकर के बिना अनुमति प्रयोग तथा कोलाहल प्रतिबंधित रहेगा। होली के लिये हरे-भरे वृक्ष नहीं काटे जायें। वन मण्डल के डिपो में शासकीय दर पर लकड़ी विक्रय के लिये उपलब्ध रहेगी। होलिका दहन बिजली के तारों और ट्रान्सफार्मर्स के समीप या डामरयुक्त सड़क पर नहीं किया जाये। त्यौहार के अवसर पर विद्युत की आपूर्ति सुनिश्चित रहे, इसके लिये विद्युतकर्मी कन्ट्रोल रुम में बैठेंगे। जिला अस्पताल में इमरजेंसी स्वास्थ्य सेवायें चाक-चौबंद रखी जायेंगी। शहर के दो मेडिकल स्टोर्स भी खुले रखे जायेंगे। कन्ट्रोल रुम में एम्बुलेन्स और फायर ब्रिगेड मौजूद रहेंगे।

होली के त्यौहार में जबरन चन्दा वसूली नहीं होगी और ना ही रंगों के स्थान पर पीली व लाल मिट्टी का उपयोग किया जायेगा। बाईक पर या सड़कों पर वाहनों के साथ घींगा मस्ती करने पर चालानी कार्यवाही की जायेगी। आयुक्त नगर निगम ने बताया कि होली के दिन दोपहर के समय विशेष रुप से जलापूर्ति की जायेगी। होली के त्यौहार पर किसी भी तरह की अप्रिय घटना की संभावना पर पुलिस के डायल-100 पर सूचना दी जा सकेगी।

कलेक्टर ने कहा कि पारम्परिक उल्लास और सौहार्द के वातावरण में होली का त्यौहार मनायें। किसी का त्यौहार किसी के लिये परेशानी का सबब नहीं बने, इसका ध्यान रखें। उन्होने सभी संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों को दी गई जिम्मेदारी का गंभीरता पूर्वक कुशल निर्वहन करने के निर्देश भी दिये हैं।

बैठक के दौरान पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव, लघु उद्योग भरती के महामंत्री अरूण सोनी पूर्व नगर निगम अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रहरि, पूर्व भाजपा अध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी, चमनलाल आनंद, पार्षद शिब्बू साहू, डॉ रमेश सोनी, प्रदीप दुबे, रौनक खंडेलवाल, राजा जगवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

एसडीएम ने राजनैतिक दलो के नेताओ की सामान्य बैठक ली

पिपरिया। एसडीएम कार्यालय में एसडीएम अनीशा श्रीवास्तव ने निर्वाचन आयोग के निद्रेश पर नगर के राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों की सामान्य बैठक ली। जिसमें एसडीएम अनीशा श्रीवास्तव ने निर्वाचन आयोग के निद्रेश के अनुरूप राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियो से कहा कि आपको अगर चुनाव आयोग के निद्रेश में निर्वाचन की सूची,मतदान क्रेद्रो के संबंध में समस्या या कोई सुझाव देना चाहते हो तो वह मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते है जिनके निराकरण हेतू में निर्वाचन आयोग को प्रस्तावित कर दिया जायेगा। इस दौरान भाजपा के प्रतिनिधी ने कहा कि मतदान केंद्र क्रमांक 126,127 के कुछ मतदाताओ को सही मतदान केंद्रो पर शिफ्ट किया जाना है। इसकी सूची हम उपलब्ध करा देगे। वही बीएसपी के द्वारा ग्राम राईखेडी के नदी किनारे निवासरत मतदाताओ को मतदान हेतू नये मतदान क्रेद्र की मांग की। बैठक में भाजपा,कांग्रेस,बीएसपी,गौडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रतिनिधी,निर्वाचन प्रभारी अवधेश रघुवंशी मौजूद रहे।

नरवाई जलाने वालों पर कार्रवाई करें: कलेक्टर सुश्री बाफना

शाजापुर। फसलों की कटाई के उपरांत खेत में बचे अवशेषों (नरवाई) जलाने वालों के विरूद्ध कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारी कार्रवाई करें। उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री ॠजु बाफना ने आज समयसीमा पत्रों की समीक्षा एवं विभागीय समन्वय बैठक में दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने कहा कि नरवाई के जलाने से पर्यावरण को अत्यधिक क्षति होती है। वही फसलों के अवशेष जो पशुओं के आहार के रूप में उपयोग में लिए जा सकते हैं, उनकी भी क्षति होती है। कलेक्टर ने किसानों को नरवाई नहीं जलाने के लिए जागरूक करने के भी निर्देश दिये। साथ ही कलेक्टर ने सांसद एवं विधायक निधि के स्वीकृत कार्यों को माह मार्च तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि फसल काटने आने वाले हार्वेस्टर्स संचालकों का पंजीयन भी करें और भूसा बनाने वाली मशीन के बिना हार्वेस्टर चलाने की अनुमति नहीं दें। नलकूप खनन पर लगाए गए प्रतिबंध के संबंध में कलेक्टर ने कहा कि सभी अनुविभागीय अधिकारी क्षेत्र में होने वाले नलकूप खनन की जानकारी ग्राम पंचायत एवं अन्य स्त्रोत से प्राप्त करें तथा नलकूप खनन करने वालों पर कार्रवाई भी करें। बैठक में कलेक्टर ने जिला विपणन अधिकारी को निर्देश दिये कि उर्वरकों के अग्रिम उठाव के लिए पर्याप्त मात्रा में भण्डारण रखें।

रविंद्रनाथ टैगोर वार्ड के मुक्तिधाम में होगा पेवर ब्लॉक , बाउंड्रीवाल एवं शेड निर्माण कार्य

महापौर, निगमाध्यक्ष एवं स्थानीय पार्षद की उपस्थिति में संपन्न हुआ भूमिपूजन

कटनी। रविंद्र नाथ टैगोर वार्ड में विकास के क्रम में शनिवार को महापौर प्रीति संजीव सूरी, निगमाध्यक्ष मनीष पाठक एवं स्थानीय पार्षद विनोद लाला की गरिमामय उपस्थिति में वार्ड में स्थित मुक्तिधाम मैं शेड निर्माण, पेवर ब्लाक एवं अमीरगंज शासकीय भूमि में बाउंड्रीबाल कार्य का भूमिपूजन वार्ड की वरिष्ठ नागरिक सियाबाई विश्वकर्मा से संपन्न कराया गया। महापौर सूरी द्वारा वार्ड वासियों को लगभग 25 लाख की लागत से होने जा रहे विकास कार्य की सौगात दी गई है ।उन्होंने वार्ड में महिला दिवस पर सभी को शुभकामनाएं प्रेषित कर भाजपा की जनकल्याणी योजनाओं से भी नागरिकों को अवगत कराया। वार्ड वसियों द्वारा स्थानीय पार्षद विनोद लाला यादव के कार्य को भी सराहते हुए महापौर,निगमाध्यक्ष एवं स्थानीय पार्षद को पुष्प गुच्छ भेंट कर विकास कार्य के माध्यम से नागरिक सुविधा को सुलभ करने हेतु धन्यवाद प्रेषित कर आभार व्यक्त किया। भूमि पूजन के इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक,एमआईसी मेंबर सुभाष साहू,डॉ रमेश सोनी,जयनारायण निषाद,सुरेंद्र गुप्ता,गोविंद चावला, पार्षद शशिकांत तिवारी उपयंत्री जे.पी सिंह बघेल सहित वार्ड के नागरिकों की उपस्थिति रही।

ब्रीफ न्यूज

मप्र अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा की बैठक 12 को

आंदोलन की नई रणनीति बनेगी

भोपाल। मध्य प्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा की कार्यकारिणी की बैठक 12 मार्च को होगी। मोर्चा पदोन्नति और पुरानी पेंशन समेत विभिन्न संवर्गों की 51 मांगों को लेकर पहले ही चार चरणों का आंदोलन कर चुका है। चौथे चरण में पदाधिकारियों ने तुलसीनगर स्थित आंबेडकर पार्क में धरना दिया था। इस दौरान मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों ने कर्मचारी नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने जल्द ही मुख्यमंत्री से मिलवाने का आश्वासन दिया था। अधिकारियों ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद मुख्यमंत्री से भेंट कराने का वादा किया था। साथ ही मांगों पर विस्तृत चर्चा का भी आश्वासन दिया था। लेकिन अभी तक मुख्यमंत्री से मुलाकात का समय तय नहीं हुआ है। इससे कर्मचारियों को लग रहा है कि सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही। आगामी बैठक में मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक में पिछले चारों चरणों के आंदोलन की समीक्षा होगी। साथ ही आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक के बाद मोर्चा अपनी आगामी कार्ययोजना की घोषणा करेगा।

गर्मी की शुरुआत.... नींबू महंगा... 5 का एक

पुदीना, हरा धनिया और कच्ची केरी की मांग भी बढ़ी

भोपाल। गर्मी की शुरुआत हो चुकी है इस सीजन में नींबू, पुदीना, हरा धनिया और कच्ची केरी का उपयोग आमजन करते हैं गर्मी की शुरुआत में ही नींबू 5 रुपये प्रति नग थोक में बिक रहा है, वहीं सब्जियों में अब जल्द तेजी के आसार बनेंगे। दक्षिण भारत से इस समय नींबू की आवक हो रही है। गर्मी की शुरुआत में ही कच्ची केरी की डिमांड बड़ी है। 15 से 50 रु किलो तक थोक मंडी में दाम चल रहे हैं। पुदीना 10 रु में तीन गड्डी, हरा धनिया 25 से 50 किलो पहुंच गया है, वही नींबू 5 रु प्रति नग के दाम सबको चौंका रहे हैं। खेरची में इनके दाम दोगुने और इससे ज्यादा भी चल रहे हैं। सब्जियों में करेला 20 रु, भिंडी 20 से 40 रु., गिलकी 20 से 40 रु., मैथी 20 से 30 रुपए, पालक 16 से 20 रुपए, चतर फली 40 से 50 रु., बैगन 5 से 15 ,हरी मिर्च 20 से 40, टमाटर 3 से 6 रु., लौकी 6 से 8 रुपए प्रति नग, अदरक 40 से 50 रु, कद्दू 15 से 20 रुपए थोक मंडी में दम चल रहे हैं। सब्जी व्यापारियों ने बताया कि होली के बाद सब्जियों के दाम बढ़ेंगे, जमीन में जैसे-जैसे पानी की कमी होगी सब्जियों के दाम तेज होंगे। इधर मंडी में अव्यवस्थाओं को लेकर लगातार व्यापारी व बाहर से आने वाले किसान अपनी परेशानियां बता रहे हैं उन्हें रात के समय में अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ता है।

यूपीएस योजना वापस लेकर पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग

संघर्ष मोर्चा ने प्रधानमंत्री के नाम भेजे 1 लाख पोस्टकार्ड

भोपाल। मप्र अधिकारी-कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने यूपीएस पेंशन योजना वापस लेने एवं पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग के समर्थन में प्रधानमंत्री के नाम 1 लाख पोस्टकार्ड भेज दिए हैं। यह पोस्टकार्ड प्रदेश के सभी 55 जिलों से संघर्ष मोर्चा के सदस्य प्रधानमंत्री को भेज रहे हैं। मप्र अधिकारी कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि कर्मचारियों के लिए यूपीएस पेंशन योजना, एनपीएस पेंशन योजना से भी ज्यादा नुकसानदायक है। केंद्र सरकार कर्मचारियों का पेंशन योजना के नाम पर दोहन कर रही है। केंद्र सरकार ने पहले एनपीएस योजना बाद में यूपीएस पेंशन योजना लाकर लाखों कर्मचारियों के साथ धोखा किया है। एनपीएस, यूपीएस पेंशन योजना में कर्मचारियों को मात्र पेंशन 1500 से 2000 बनाई जाएगी। जमा पूंजी भी वापस इन योजनाओं में कर्मचारियों को पूरी नहीं मिलती है। इस कारण चारों तरफ से कर्मचारियों का बड़ा आर्थिक नुकसान होगा है। सरकार पुरानी पेंशन योजना लागू करके कर्मचारियों को बुढ़ापे की लाठी देने का काम करें अन्यथा मप्र अधिकारी कर्मचारी संघर्ष मोर्चा पोस्टकार्ड अभियान के तहत 5 लाख पोस्टकार्ड भेजने के बाद उग्र आंदोलन करेगा।

भाजपा पार्षद ने अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा

भोपाल।भोपाल नगर निगम के वार्ड-26 की भाजपा पार्षद राजमनी उईके ने नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने शिकायत की है कि वार्ड में होने वाले कार्यक्रमों की पूर्व सूचना उन्हें नहीं दी जाती और आयोजनों से उन्हें दूर रखा जाता है।

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी ने भोपाल संभाग के नगरीय एवं ग्रामीण निकायों के जनप्रतिनिधियों की बैठक में कहा

विकसित भारत का संकल्प 2047 तक पूरा होगा

प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार में तेजी से हो रहा विकास

भोपाल। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में भोपाल संभाग के नगरीय एवं ग्रामीण निकायों के जनप्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित देशों की पंक्ति में लाने का संकल्प लिया है। इस दिशा में प्रधानमंत्री मोदी ने जब से देश की कमान संभाली है तभी से तेजी से विकास कार्य हो रहे है। हमें भी तन-मन और धन से अपने-अपने क्षेत्र का विकास करना होगा। देश की जनता का भरोसा हमारी पार्टी पर लगातार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बढ़ता जा रहा है। हमें लगातार जनता का समर्थन इसलिए मिल रहा है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर वर्ग के लिए विकास योजनाएं शुरू की गई हैं।

प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार होने के नाते पिछले कुछ सालों में प्रदेश का विकास तेज रफ्तार से हुआ है। इसे हम सबको मिलकर आगे बढाना है। अटल बिहारी वाजपेयी जी के सपनों को साकार करने के लिए उनके बताए मार्ग पर चलकर विकास करना होगा। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश उपाध्यक्ष पकंज जोशी एवं जिलाध्यक्ष रविंद्र यति मंचासीन रहे।

विश्वास और सुचिता के साथ काम करना होगा

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि नगरीय एवं ग्रामीण निकायों के जनप्रतिनिधियों का जनता से सीधा जुड़ाव होता है, क्योंकि वो दिन भर जनता के बीच में रहते हैं। केंद्र और राज्यों की योजनाओं को जमीन पर उतारने के अलावा उस क्षेत्र में नवाचारों के माध्यम से किस तरह जनता और समाज की सेवा की जा सकती है इस दिशा में भी तेजी से काम करने की आवश्यकता है, ताकि जिन लोगों ने हमें चुना है उनका भरोसा भाजपा पर बना रहे। हमें हमेशा जागरूकता, विश्वास और सुचिता के साथ समाज को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करने की आवश्यकता है। आने वाले समय में हमारी पीढ़ियां महापुरुषों के बारे में जानकारी रखे इसके प्रयास करने होंगे, ताकि हमारे देश का इतिहास और सभ्यता का परिचय आने वाली पीढ़ियों को आसानी से मिल सके। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश में ट्रिपल इंजन यानी केंद्र, राज्य और नगरीय और ग्रामीण निकायों में जनता की चुनी गई सरकारों के चलते प्रदेश में विकास की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। पिछले ढाई सालों में बहुत काम हुआ है, लेकिन हमें यही रुकना नहीं है। श्रद्वेय अटल बिहारी वाजपेयी का जनशताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है, इसमें निरंतर विकास की रफ्तार को बनाए रखकर आम जनता के हितों से जुड़े हुए कार्यों को पूरा करना है। अटल जी को जानने के लिए हमें उन्हें पढ़ना होगा, तब हम उनके बताए गए मार्गों और विचारों को जानकार और बेहतर काम कर पाएंगे।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ का बड़ा ऐलान

मंत्रालय में देंगे ज्ञापन, स्वास्थ्य बीमा और वेतन विसंगति के उठाएंगे मुद्दे

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ मंत्रालय में ज्ञापन सौंपेगा। संघ के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी कर रही है। सिंह ने कर्मचारी आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। वे कहते हैं कि सरकार ने आयोग का कार्यकाल पांच साल से बढ़ाकर 31 मार्च 2025 तक कर दिया गया है, लेकिन आयोग ने अब तक कर्मचारी संगठनों से न तो कोई आवेदन लिया और न ही संवाद किया। कर्मचारियों को आयोग के अध्यक्ष के बारे में भी जानकारी तक नहीं है। स्वास्थ्य बीमा योजना का मामला भी लटका हुआ है।

4 जनवरी 2020 को मंत्री परिषद ने सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एमपीईएचआई योजना को मंजूरी दी थी। वित्त विभाग ने 19 फरवरी 2020 को सभी विभागों को कर्मचारियों का डेटा आईएफएमएस पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए थे। पांच साल बीत जाने के बाद भी यह योजना धरातल पर नहीं उतर पाई है। कर्मचारियों को अब तक इसका लाभ नहीं मिल सका है। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने कई आंदोलन कर उपरोक्त मांगों के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव को बार-बार पत्र लिखे। चर्चा के लिए समय भी मांगा, लेकिन सरकार की तरफ से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है। सिंह कहते हैं कि हम सरकार की प्रगतिशीलता को रोकना नहीं चाहते, परंतु सरकार की अपेक्षा हमें प्रदेश बंद करने के लिए प्रेरित कर रही है।

आज मंत्रालय के सामने प्रदर्शन

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने निर्णय लिया है कि उपरोक्त मांगों से संबंधित ज्ञापन 11 मार्च को मंत्रालय भोपाल के समक्ष प्रदर्शन कर मांगों का अभिलेख समस्याओं से संबंधित विषय वार अलग-अलग पत्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव कोसौंपेंगे। समस्याओं का निराकरण न होने पर प्रदेश में वृहद आंदोलन किया जाएगा।

अधिकारी-कर्मचारी की समस्याएं एवं मांगें

प्रदेश सरकार ने केंद्र की तुलना में 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता कम दिया जा रहा है। वर्ष 2016 से पदोन्नति बंद है, जिससे विभागों का संघीय ढांचा प्रभावित हो रहा है। अधिकारियों/ कर्मचारियों के सेवानिवृत्त लगातार बढ़ने से कर्मचारियों पर कार्य का बोझ बढ़ रहा है। निम्न पद पर रहकर वरिष्ठ पदों पर प्रभारी के रूप में कार्य किया जा रहा है, अनेक विभागों के मुखिया तो संविदा पर कार्य कर रहे हैं। जिससे विभागों की कार्य क्षमता प्रभावित हो रही है। 9 वर्ष हुए सातवें वेतनमान लागू होने के बाद भी सातवें वेतनमान के अनुसार गृह भाड़ा भत्ता एवं अन्य भत्ते पुनरीक्षित नहीं किए गए हैं। पुरानी पेंशन जैसे मुद्दे का सरकार के द्वारा कोई हल नहीं निकाला गया, जिससे कर्मचारी एनपीएस पर ही सेवानिवृत्ति होना प्रारंभ हो गए हैं और पुरानी पेंशन लागू किए जाने की बाट जोह रहा है। मध्य प्रदेश शासन के निर्णय अनुसार समस्त कर्मचारियों को चौथा समयमान वेतनमान का लाभ दिया गया है, पर शिक्षा विभाग के शिक्षकों को चौथा समयमान वेतनमान के आदेश आज तक नहीं किए गए हैं। स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ नहीं मिल पाया है। अध्यापकों को वरिष्ठता का लाभ नहीं दिया जा रहा है। प्रदेश में कई विभागों में हजारों अनुकंपा नियुक्तियां लंबित है सीपीसीटी/डीएड/टीजीटी परीक्षा का वास्ता देकर प्रदेश में अनुकंपा नियुक्तियों को रोका जा रहा है। नियमित पदों को समाप्त कर संविदा और आउटसोर्स में बदला जा रहा है।

वर्ल्ड नो स्मोकिंग डे पर नशामुक्ति संकल्प

भोपाल। वर्ल्ड नो स्मोकिंग डे के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज सुख शांति भवन, दुर्गेश विहार में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तंबाकू और धूम्रपान से होने वाले घातक प्रभावों के प्रति लोगों को सचेत करना और उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज सुख शांति भवन की निदेशिका आदरणीय नीता दीदी ने कहा कि यदि व्यक्ति संकल्प लें और आंतरिक शक्तियों को जागृत करें, तो वे धूम्रपान छोड़कर एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकते हैं। ध्यान और आध्यात्मिकता से आत्मबल बढ़ता है, जिससे बुरी आदतों को छोड़ा जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने तंबाकू से दूर रहने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संकल्प लिया। इस वर्ष वर्ल्ड नो स्मोकिंग डे की थीम कनेक्टिंग टबैको एंड योर हेल्थ रखी गई है, जिसका उद्देश्य तंबाकू और स्वास्थ्य के बीच संबंध को उजागर करना है।

सरकारी अस्पतालों और क्लीनिकों में धूम्रपान छोड़ने के लिए मुफ्त काउंसलिंग और चिकित्सा सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर इंजीनियर बीके नीरज ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। कार्यक्रम में डॉ. दीप्ति दाते, डॉ. प्रियंका नेगी, डॉ. संजीव जयंत सहित कई विशेषज्ञ उपस्थित रहे। उन्होंने धूम्रपान और तंबाकू के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों, जैसे कैंसर, हृदय रोग, और श्वसन संबंधी समस्याओं पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञों ने बताया कि हर साल लाखों लोग तंबाकू जनित बीमारियों से अपनी जान गंवा देते हैं।

गुफा मंदिर में होली मिलन 22 को

शासकीय रामानंद संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व छात्र मनाएंगे रंगों का त्योहार

भोपाल। भोपाल के शासकीय रामानंद संस्कृत महाविद्यालय गुफा मंदिर में 22 मार्च को होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नेता चंद्रशेखर तिवारी राधे महाराज करेंगे। समारोह में बुंदेलखंडी लोकगीत और श्रीधाम वृंदावन से राधा-कृष्ण की झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। लोक नृत्य का भी आयोजन होगा। पांच कुंडों में पुष्प और रंग-गुलाल के साथ होली खेली जाएगी।

आयोजन की तैयारियों को लेकर गुफा मंदिर में छात्रों की बैठक में पंडित नीलमणि दुबे, कपिल शर्मा, गीतेश शर्मा, मंदिर के मुख्य पुजारी लेखराज शर्मा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। राधे महाराज ने बताया कि समारोह में भोपाल के आईएएस, आईपीएस अधिकारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुख शामिल होंगे। कार्यक्रम की मुख्य व्यवस्था आचार्य डॉ. पं. अरविंद पचौरी संभालेंगे। डॉ. रामकुमार देवलिया कार्यक्रम के संयोजक होंगे। आयोजन में मध्य प्रदेश के समस्त ब्राह्मण समुदाय के लोग शामिल होंगे। गौरतलब है कि विगत कई वर्षों से गुफा मंदिर प्रांगण में होली मिलन समारोह का आयोजन होता आ रहा है। इसमें महाविद्यालय के पूर्व छात्र अपने परिवार के साथ शामिल होते हैं।

दिल्ली के बाद अब भोपाल एम्स में रोबोटिक सर्जरी हुई शुरू

20 करोड़ में खरीदा गया रोबोट, जटिल उपचार में मिलेगी राहत

भोपाल। मप्र में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने के लिए जहां एक तरफ प्रशासन लगातार प्रयास कर रही है। तो वही दूसरी तरफ भोपाल एम्स को हाईटेक बनाया जा रहा है। ताकि मरीजों को बेहतर से बेहतर उपचार मिल सके। इसी कड़ी में एम्स भोपाल में पहली रोबोटिक सर्जरी की गई। जहां डॉक्टर्स ने रोबर्ट के जरिये स्पाइन की सर्जरी की। सफलता पूर्वक ऑपरेशन को लेकर डॉक्टर्स में खुशी की लहर है। एम्स में रोबोट द्वारा दो स्पाइन सर्जरी डॉ. वीके वर्मा एवं डॉ. पंकज मिश्रा द्वारा की गई, जो कि सफल रही और मरीज अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं। इस सफलता में एनेस्थीसिया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वैशाली एवं डॉ. जेपी शर्मा का विशेष सहयोग रहा। ऑर्थोपेडिक विभाग के प्रमुख डॉ. रेहान उल हक ने बताया कि रोबोट का उपयोग स्पाइन के साथ-साथ पेल्विक इंजरी की सर्जरी में भी मददगार सिद्ध होगा।

भोपाल एम्स में रोबोटिक सर्जरी शुरू होने की जानकारी एम्स भोपाल के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि एम्स भोपाल ने 20 करोड़ में रोबोट खरीदा। जिसके लिए केंद्र सरकार ने मदद की। डॉ. अजय सिंह ने आगे कहा कि पिछले 2 साल से एम्स भोपाल रोबर्ट खरीदने की तैयारी कर रहा था। जिसे फाइनली केंद्र सरकार की मदद से खरीद लिया गया। पहली सफलता पूर्ण रोबोटिक सर्जरी पिछले हफ्ते की गई। बता दें कि मप्रमें अब तक रोबोटिक सर्जरी की सुविधा किसी भी सरकारी अस्पताल में नहीं है। हालांकि, इंदौर के एक निजी अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत हो गई है। इसके अलावा दिल्ली एम्स, अपोलो, फोर्टिस और मुबंई के टाटा मेमोरियल समेत देश के कुछ खास अस्पतालों में ही रोबोटिक सर्जरी की सुविधा है।

सबसे अधिक कैंसर मरीजों को फायदा

एम्स भोपाल के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने बताया कि रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत होने से सबसे अधिक फायदा कैंसर के मरीजों को मिलेगा। इसके साथ ही यह सुविधा शुरु होने से यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, कैंसर, जनरल और प्लास्टिक सर्जरी करवाने वाले मरीजों के ईलाज में भी आसानी होगी। इसके लिए तैयारियां चल रही है।

जटिल पीडियाट्रिक सर्जरी भी होगी

एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह, जो स्वयं एक पीडियाट्रिक आर्थोपेडिक सर्जन है, उन्होंने बताया कि रोबोटिक असिस्टेंस से बच्चों के रीढ़ की हड्डी की विकृति, जैसे काइफोसिस या स्कोलियोसिस और जटिल स्पाइन रोगों की सर्जरी को आसान और सुरक्षित रूप से किया जा सकता है। डॉ. अजय सिंह ने बताया कि एम्स भोपाल मध्य भारत में ऐसा पहला सेंटर बन गया है जहां पर रोबोटिक पद्धति द्वारा ऑर्थोपेडिक विभाग में स्पाइन सर्जरी की सुविधा उपलब्ध हो गई है। थ्री डी इमेजिंग और रोबोटिक प्रणाली वास्तविक समय में इमेजिंग प्रदान करके आर्थोपेडिक सर्जरी में, विशेष रूप से रीढ़ की हड्डी की प्रक्रियाओं में, अधिक सटीकता और सुरक्षा प्रदान करती है। इससे सर्जनों को सटीक निर्णय लेने और संभावित रूप से जटिलताओं और विकिरण जोखिम को कम करने में सहायता मिलती है। स्पाइन सर्जरी में रोबोट का मुख्य उपयोग फ्रीहैंड या फ्लोरोस्कोपी निर्देशित प्रक्रियाओं की तुलना में सुरक्षित पेडिकल स्क्रू फिक्सेशन सुनिश्चित करने में होता है। अब एम्स भोपाल में इस सुविधा के हो जाने से जटिल स्पाइन सर्जरी को सुरक्षित रूप से किया जा सकता है।

बच्चों के लिए भी खास

एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह, जो स्वयं एक पीडियाट्रिक आर्थोपेडिक सर्जन हैं, उन्होंने बताया कि रोबोटिक असिस्टेंस से बच्चों के रीढ़ की हड्डी की विकृति, जैसे काइफोसिस या स्कोलियोसिस और जटिल स्पाइन रोगों की सर्जरी को आसान और सुरक्षित रूप से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि एम्स भोपाल का ऑर्थोपेडिक विभाग प्रदेश की जनता को ऐसी सुविधाएं दे रहा है जो कहीं और उपलब्ध नहीं हैं, जैसे कि बोन बैंकिंग सर्विसेज, 3 डी प्रिंटिंग द्वारा सर्जरी, जटिल पीडियाट्रिक सर्जरी, इत्यादि।

एरिया एजुकेशन ऑफिसर संभालेंगे स्कूलों की जिम्मेदारी

1 अप्रैल से एआई पोर्टल से होगा मॉनिटरिंग, संकुल और जनशिक्षा केंद्र होंगे बंद

भोपाल। 1 अप्रैल से स्कूल शिक्षा विभाग में ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर (बीआरसी) की व्यवस्था समाप्त कर दी जाएगी। इसकी जगह एरिया एजुकेशन ऑफिसर (एईओ) नियुक्त किए जाएंगे। शिक्षा विभाग पहली बार एआई आधारित पोर्टल 3.0 विकसित कर रहा है। ये पोर्टल स्कूलों में शिक्षकों की कमी और अतिरिक्त शिक्षकों की जानकारी स्वचालित रूप से अपडेट करेगा। इससे विभागीय काम समय पर पूरे होंगे।

संकुल और जनशिक्षा केंद्र होंगे बंद

नई व्यवस्था में कक्षा 1 से 12वीं तक की सभी जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी के पास होगी। वर्तमान में कक्षा 1 से 8वीं तक राज्य शिक्षा केंद्र और कक्षा 9 से 12वीं की जिम्मेदारी डीईओ के पास है। ये व्यवस्था साल 2013 में जारी गजट नोटिफिकेशन पर आधारित है। 12 साल के बाद अब इसे लागू किया जा रहा है। इसके तहत संकुल केंद्र, जनशिक्षा केंद्र कार्यालय बंद कर दिए जाएंगे।

एरिया एजुकेशन ऑफिसर करेंगे निगरानी

बीईओ और डीईओ जैसे पुराने पद समाप्त होंगे। इनकी जगह सहायक संचालक होंगे, जिनकी भर्ती पीएससी के माध्यम से होगी। स्कूलों की निगरानी एरिया एजुकेशन ऑफिसर करेंगे। पुराने पदों में केवल क्लस्टर एकेडमिक कोऑर्डिनेटर (सीएसी) बने रहेंगे।

एआई आधारित पोर्टल 3.0

शिक्षा विभाग एआई आधारित पोर्टल 3.0 बना रहा है। ये पोर्टल शिक्षकों की कमी और अतिरिक्तता की जानकारी स्वचालित रूप से अपडेट करेगा। शिक्षकों की नियुक्ति और स्थानांतरण प्रक्रिया समय पर पूरी होगी।

मार्च में धूप अप्रैल जैसी, पारा 32 पार

भोपाल। हिमाचल और उत्तराखंड की पहाड़ियों पर इस बार हुई भारी बर्फबारी के बावजूद मप्र के मैदानी क्षेत्रों में मार्च महीने में ही अप्रैल जैसी गर्मी महसूस होने लगी है। राजधानी भोपाल में दिन का पारा 32 डिग्री से अधिक रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य तापमान 25 डिग्री से सात डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस बार मार्च महीने के आखिर तक दिन का पारा 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस बार सर्दियों के सीजन में बारिश की मात्रा 80 प्रतिशत कम रही। इससे हवा की नमी गायब है। इसके अलावा बार-बार पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से पहाड़ों से आने वाली नम हवाएं भी कम चलीं। इससे मैदानी क्षेत्रों में तापमान बढ़ रहा है। सुबह 10 बजे ही दोपहर के 12 बजे की धूप लोगों ने महसूस की। घरों और कार्यालयों में एसी भी चलने लगे हैं।

स्वामी **निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.**, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर-462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 601, ए-2, फॉर्चून कस्तूरी, होशंगाबाद रोड, भोपाल-11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
***स्थानीय संपादक: बालेन्द्र गुप्ता।** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।), **आर.एन.आई.नं. 58842/94**